दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik | asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्ष: 21, अंक: 270 ■ दमण, बुधवार 15, जुलाई 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने धोलेरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के कार्य की प्रगति की समीक्षा की

मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और एयरोस्पेस इनोवेशन धोलेरा को वैश्विक औद्योगिक हब के तौर पर करेगा स्थापित : किंजरापु राममोहन नायडू

पीआईबी, अहमदाबाद, 14 जुलाई। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने धोलेरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के चल रहे निर्माण और विकास कार्यों की समीक्षा की। मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा, एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन विपिन कुमार और गुजरात सरकार तथा धोलेरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कंसोर्टियम के अहम प्रतिनिधियों के साथ मंत्री ने प्रोजेक्ट के अहम पड़ावों का जायजा लिया और इसे पूरा करने के लिए रणनीतिक रोडमैप को अंतिम रूप दिया। प्रोजेक्ट के राष्ट्रीय महत्व पर ज़ोर देते हुए मंत्री ने कहा कि धोलेरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट सिर्फ अहमदाबाद या गुजरात के लिए एक क्षेत्रीय संपत्ति नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए अत्यधिक रणनीतिक महत्व वाला एक अहम प्रोजेक्ट है। उन्होंने कहा कि यह भारत में अपनी तरह का पहला एयरपोर्ट प्रोजेक्ट है जिसे मैन्युफैक्चरिंग हब, भविष्य की ग्रीन सिटी और सेमीकंडक्टर क्लस्टर के साथ सहजता से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा करना और इसके उद्घाटन में तेज़ी लाना है। केंद्र सरकार और गुजरात सरकार दोनों का अभूतपूर्व सहयोग और सक्रिय भागीदारी इस प्रोजेक्ट को भारत के एविएशन सेक्टर में सचमुच एक अनोखा और खास प्रोजेक्ट बना रही है। साइट पर भौतिक प्रगति की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि शुरुआती चुनौतियों के बावजूद व्यवस्थित योजना और मज़बूत क्रियान्वयन के ज़रिए रास्ते की बाधाओं को सफलतापूर्वक दूर कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि कुल निर्माण कार्य का लगभग 80% हिस्सा पूरा हो चुका है। गौरतलब है कि अत्याधुनिक टर्मिनल बिल्डिंग का 75% काम पूरा हो चुका है, जबकि सहायक संरचनाओं, एयर ट्रैफिक कंट्रोल टॉवर, मुख्य रनवे और टैक्सीवे का 100% काम पूरा हो चुका है। धोलेरा में उभर रहे विशाल औद्योगिक इकोसिस्टम की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए, मंत्री ने बताया कि 2,500 वर्ग मीटर का एक समर्पित कार्गो टर्मिनल बनाया जा रहा है। इसके अलावा, यात्रियों की आवाजाही को सुचारू बनाने के लिए 25,000 वर्ग मीटर में फैला एक पैसेंजर टर्मिनल बनाया जा रहा है, जिसकी क्षमता सालाना 20 लाख यात्रियों को संभालने की होगी। केंद्रीय मंत्री ने धोलेरा के पीछे की दूरदर्शी योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। (समाचार का शेष पेज 3 पर)

पंजाब में कमजोर पड़ा मानसून, सैटेलाइट तस्वीरों से बढ़ी चिंता

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के कई इलाकों में मानसूनी बादलों का मिजाज बदल गया है, जिससे किसानों और आम जनता की चिंता बढ़ी है। सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण से पता चला है कि पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर और हिमाचल से सटे क्षेत्रों में अभी भी घने बादल मौजूद हैं। वहीं, जालंधर, लुधियाना, कपूरथला और नवांशहर में भी बादलों की हल्की पट्टी देखी जा रही है, जबकि मोहाली और जालंधर में सुबह के वक्त कुछ तेज बारिश भी दर्ज की गई। इसके विपरीत, राज्य के दक्षिणी जिले जैसे बठिंडा, मानसा, मुक्तसर और फाजिल्का में बादल लगभग नदारद हैं, जिससे यहां सूखे जैसे हालात बन रहे हैं। बीते 24 घंटों में पंजाब के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहा और केवल सीमावर्ती व पहाड़ी क्षेत्रों में ही हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 13 से 18 जुलाई के बीच मानसून की गतिविधियां कमजोर रहने की संभावना है, जिसके चलते लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। चंडीगढ़ में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कुछ मौकों पर बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं, हालांकि इसके लिए कोई विशेष अलर्ट जारी नहीं किया गया है। एक ओर जहां पंजाब के कई हिस्से बारिश की कमी झेल रहे हैं, वहीं पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश में जुलाई महीने में अब तक सामान्य से 40 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई है। 1 से 12 जुलाई के बीच राज्य में 119.6 मिलीमीटर वर्षा हुई है, जो सामान्य 85.6 मिलीमीटर से काफी ज्यादा है।

सर्पदंश से मासूम की मौत, सपेरे का करते रहे इंतज़ार

गुरुग्राम (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। बहादुरगढ़ में एक दुखद घटना सामने आई है जहाँ अंधविश्वास के चलते चार वर्षीय मासूम अंशज ने अपनी जान गंवा दी। टीकरी बॉर्डर क्षेत्र में सांप के काटने के बाद उसके परिजन तुरंत अस्पताल ले जाने की बजाय सपेरे का इंतजार करते रहे। जब वे अचेत अवस्था में सिविल अस्पताल पहुंचे, तब चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। हैरानी की बात यह है कि डॉक्टरों द्वारा मृत्यु की पुष्टि के बाद भी स्वजन सपेरे के आने की उम्मीद में काफी देर तक वहीं इंतजार करते रहे। अस्पताल प्रशासन ने मामले की सूचना पुलिस को दी, जिसने मौके पर पहुँचकर आवश्यक कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। चिकित्सकों ने समझाया है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या सपेरे के भरोसे रहने की बजाय तुरंत निकटतम अस्पताल पहुंचना चाहिए। एंटी-स्नेक वेनम (एएसवी) समय पर मिलने से कई जानें बचाई जा सकती हैं, जैसा कि बहादुरगढ़ में ही पहले दो मामलों में हुआ। यह घटना अंधविश्वास से बचने और तत्काल चिकित्सा सहायता लेने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

महाराष्ट्र की लाडकी बहिन योजना में बड़ा फेरबदल : 81 लाख महिलाएं बाहर

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना राज्य में एक बड़े राजनीतिक विवाद का केंद्र बनी है। महीनों तक चले व्यापक ई-केवाईसी सत्यापन अभियान के बाद, महायुति सरकार ने करीब 81 लाख लाभार्थियों को योजना से बाहर किया है, जिससे सत्ताधारी महायुति और विपक्षी महाविकास अघाड़ी के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कदम का बचाव कर कहा कि ई-केवाईसी प्रक्रिया का उद्देश्य योजना की पात्रता शर्तों को पूरा न करने वाले अयोग्य लाभार्थियों जैसे आयकर दाता और सरकारी कर्मचारियों के परिवार की पहचान करना और उन्हें हटाना था। उन्होंने बताया कि योजना की शुरुआत में 2.63 करोड़ लोगों ने पंजीकरण कराया था, जिसमें से 2.47 करोड़ महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता मिलनी शुरू हुई थी। मंत्री अदिति ने स्पष्ट किया कि अयोग्य लोगों को हटाने के लिए ई-केवाईसी शुरू होने के बाद लाभार्थियों की संख्या घटकर 1.67 से 1.7 करोड़ रह गई। अदिति तटकरे ने उन रिपोर्टों को भी खारिज किया जिनमें 92-93 लाख लाभार्थियों को हटाए जाने का दावा किया गया था, यह बताकर कि यह आंकड़ा कुल पंजीकरण और वर्तमान लाभार्थियों के बीच का अंतर था, न कि वास्तविक लाभार्थियों की संख्या। हालांकि, विपक्षी दलों ने महायुति सरकार पर 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले योजना का दुरुपयोग एक चुनावी हथियार के रूप में करने का आरोप लगाया है, और इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को सूची से बाहर करने पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यह योजना अब राज्य में एक नए सियासी घमासान का रूप ले चुकी है।

दिल्ली में ट्रांसजेंडर भेष में बांग्लादेशी गिरफ्तार, अवैध धंधों का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने जहांगीरपुरी इलाके में अवैध आप्रवासन के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत महत्वपूर्ण कार्रवाई में बांग्लादेश के एक अवैध नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह व्यक्ति ट्रांसजेंडर के भेष में रहकर रात के समय अवैध गतिविधियों में शामिल मिला। भलस्वा फ्लाईओवर के नीचे सुबह-सुबह की गई विशेष कार्रवाई में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। शुरुआती पूछताछ के दौरान, संदिग्ध व्यक्ति अपने भारत में रहने संबंधी कोई वैध यात्रा या पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका। विस्तृत जांच और डिजिटल फुटप्रिंट से पुष्टि हुई कि वह बिना दस्तावेज़ों के गैर-कानूनी रूप से भारत में रह रहा बांग्लादेशी नागरिक है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, पकड़े गए व्यक्ति की पहचान सुकांता चंद्र दास (उर्फ माधुरी), 44 वर्षीय पुरुष के रूप में हुई है। वह बांग्लादेश के ढाका जिले के गाज़ीपुर इलाके का रहने वाला है। उसके पास से मिले एक स्मार्टफोन में प्रतिबंधित आईएमए एप इंस्टॉल मिला और फ़ोन की गैलरी में बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान पत्र के दस्तावेज़ों की तस्वीरें भी मौजूद थीं, जिससे उसकी पहचान और अवैध स्थिति की पुष्टि हुई। कानूनी कार्रवाई करते हुए, फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया गया है। तय प्रक्रियाओं के तहत अब देश से वापस भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह गिरफ्तारी दिल्ली पुलिस की अवैध आप्रवासन और आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कानपुर : थाने में आत्मदाह का प्रयास, बचाने गए पुलिसकर्मी भी झुलसे

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में मंगलवार को हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। पारिवारिक विवाद से परेशान एक युवक ने खुद को आग लगाकर आत्मदाह का प्रयास किया, जिससे न सिर्फ वह गंभीर रूप से झुलस गया, बल्कि युवक को बचाने दौड़े तीन पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। सभी को तत्काल उर्सुला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां बर्न यूनिट में उनका उपचार चल रहा है। चकेरी एसीपी के अनुसार, फुफुवार राजथोक निवासी करीब 35 वर्षीय मजदूर महेश पासवान का अपनी पत्नी पूनम से पिछले कई माह से विवाद चल रहा था।

एसआईआर प्रक्रिया पर चुनाव आयोग संयुक्त राष्ट्र के निशाने पर? भारत ने आरोपों को किया खारिज

60 दिन के अंदर जवाब देने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन एसआईआर) को लेकर संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार तंत्र से जुड़े 3 स्वतंत्र विशेषज्ञों ने भारत सरकार और निर्वाचन आयोग से जवाब तलब किया है। यूनाइटेड नेशन के विशेषज्ञों ने आशंका जताई है. यदि दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया उचित सुरक्षा उपायों के बिना लागू की जाती है. ऐसी स्थिति में बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के मतदान अधिकार प्रभावित हुये हैं. इस संबंध में यूनाइटेड नेशन ने भारत से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों,नागरिकों के राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय समझौता (आईसीसीपीआर), के अनुरूप स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

यूनाइटेड नेशन ने पूछा है, मतदाता सूची से नाम हटाने, अपील की व्यवस्था और प्रभावित मतदाताओं के लिए उपलब्ध कानूनी उपाय के संबंध में विस्तृत जानकारी मांगी है। यह टिप्पणियां संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र विशेष प्रतिवेदकों/विशेषज्ञों की हैं. संयुक्त राष्ट्र महासभा या सुरक्षा परिषद दे अभी इस मामले में कोई आधिकारिक निर्णय नहीं लिया है।

भारत सरकार और निर्वाचन आयोग ने आरोपों को अस्वीकार किया है। आयोग का कहना है, एसआईआर पूरी तरह संविधान, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित की जा रही है। आयोग के अनुसार किसी भी पात्र मतदाता का नाम मनमाने ढंग से नहीं हटाया जाएगा. प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने और दावा-आपत्ति दर्ज कराने का पूरा अवसर दिया जा रहा है। आयोग ने कहा है, अंतिम मतदाता सूची जारी होने से पहले सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किए जाने का भरोसा दिलाया है। सरकार का पक्ष है, भारत का चुनावी तंत्र स्वतंत्र और मजबूत है. मतदाता सूची का शुद्धिकरण निर्वाचन आयोग का संवैधानिक दायित्व है। सरकार ने कहा है, भारत अपने संवैधानिक और कानूनी ढांचे के अनुसार चुनाव कराता है. लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सरकार और चुनाव आयोग प्रतिबद्ध है।

यह मुद्दा राजनीतिक और कानूनी बहस का विषय बन गया है. बिहार और पश्चिम बंगाल में जिस तरह से मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से अलग किए गए हैं. उस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है. पश्चिम बंगाल के 27 लाख से ज्यादा मतदाताओं के मतदान अधिकार ट्रिब्यूनल में लंबित थे. सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि इस बार मतदान नहीं कर पाए तो अगली बार कर देना. संयुक्त राष्ट्र में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है. अंतिम स्थिति निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया और न्यायिक समीक्षा तथा यूनाइटेड नेशन पर निर्भर करेगी।

वांगचुक की भूख हड़ताल : महुआ और उद्धव ठाकरे ने कहा सरकार को आपकी चिंता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का मंगलवार को 17वां दिन था, और उनके बिगड़ते स्वास्थ्य को लेकर चिंताएँ बढ़ती जा रही है। प्रमुख राजनीतिक हस्तियों ने उनसे अपना अनशन समाप्त करने की अपील की है, हालांकि वांगचुक केंद्र सरकार से बातचीत की अपनी मांग पर अड़िग हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दिपके ने वांगचुक के स्वास्थ्य की जानकारी देकर बताया कि उनका वज़न 8.5 किलो कम हुआ है, मांसपेशियां कमज़ोर पड़ गई हैं, और उन्हें अत्यधिक दर्द हो रहा है। उनका ब्लड प्रेशर 109/70 है। दिपके के अनशन समाप्त करने के अनुरोध पर, वांगचुक ने शांति से जवाब दिया कि सरकार को बातचीत के लिए आगे आना चाहिए, न कि उन्हें अनशन तोड़ने के लिए कहा जाए। वहीं टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने वांगचुक से अपील की कि उनका उद्देश्य पूरा हो चुका है, और केंद्र सरकार को उनकी परवाह नहीं है, लेकिन उनकी जान देश के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए उन्हें उपवास खत्म कर लड़ाई जारी रखनी चाहिए। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आंदोलन को अपना समर्थन देकर वांगचुक से अनशन वापस लेने का आग्रह किया। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी विरोध स्थल का दौरा कर एकजुटता व्यक्त की। यह भूख हड़ताल शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के 25वें दिन से चल रही है। दिपके ने सरकार से अहंकार की लड़ाई न बनाने का आग्रह कर कहा कि यहां इंसानी जानें दांव पर लगी हैं, और अपनी गलती मानना परिपक्वता तथा जवाबदेही की निशानी है।

टीईटी पेपर लीक से 6 लाख छात्रों का भविष्य अधर में

-राहुल गांधी का महाराष्ट्र सरकार पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) 2026 रद्द होने और पेपर लीक के आरोपों को लेकर देवेंद्र फडणवीस सरकार पर सवाल उठाए, जिससे करीब छह लाख उम्मीदवार अधर में लटके हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि परीक्षा रद्द होने के दो हफ्ते बाद भी कोई नई तारीख घोषित नहीं की गई है, जो इन छात्रों के भविष्य के लिए चिंता का कारण है।

अपनी पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि महाराष्ट्र टीईटी का पेपर लीक हुआ और परीक्षा रद्द कर दी गई। दो हफ्ते बीत चुके हैं, लेकिन नई तारीख का कोई अता-पता नहीं है, इससे 6 लाख उम्मीदवार अनिश्चितता में जी रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक करने वाले आजाद घूम रहे हैं, सिस्टम पर कोई दाग नहीं लगा है, जबकि ईमानदारी से मेहनत करने वाले छात्रों को इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। राहुल गांधी ने कहा कि ये छात्र ही देश के मौजूदा और भविष्य के शिक्षक हैं, जिनके हाथों में भारत का भविष्य है।

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री फडणवीस को संबोधित कर अपनी 3 सूत्रीय मांगें रखीं। उन्होंने सबसे पहले महाराष्ट्र टीईटी का नया शेड्यूल तुरंत घोषित करने की अपील की। इसके साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि पेपर लीक के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, न कि उम्मीदवारों को सजा दी जाए। तीसरी मांग में उन्होंने कहा कि उन उम्मीदवारों को उम्र सीमा में छूट दी जाए जिनकी पात्रता परीक्षा टलने से प्रभावित हुई हो सकती है। राहुल गांधी ने कहा कि लाखों उम्मीदवारों का भरोसा बहाल करने के लिए महाराष्ट्र सरकार को तेज़ी से कदम उठाने चाहिए और प्रशासनिक विफलता का बोझ उन मेहनती छात्रों पर नहीं पड़ना चाहिए जिन्होंने सालों तक तैयारी की है।

महिला आरक्षण पर सरकार को विपक्ष की नेता का समर्थन

-प्रियंका चतुर्वेदी ने की सभी दलों से सहमति बनाने की अपील, मानसून सत्र से पहले बढ़ी राजनीतिक हलचल

-महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने पर फिर तेज हुई चर्चा

नई दिल्ली(एजेंसी)। संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले महिला आरक्षण को लेकर एक बार फिर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की पूर्व राज्यसभा सांसद और विपक्षी इंडिया गठबंधन की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने की पहल का समर्थन करते हुए सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर सकारात्मक रुख अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि महिला आरक्षण को वास्तविकता का रूप दिया जाए।

प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक समाचार रिपोर्ट साझा करते हुए लिखा कि यह ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी राजनीतिक दल अपने-अपने रुख पर पुनर्विचार करेंगे और महिला आरक्षण को लागू करने की दिशा में सहमति बनाएंगे। हाल के महीनों में प्रियंका कई राष्ट्रीय मुद्दों पर पार्टी लाइन से अलग स्वतंत्र राय भी रखती रही हैं।

यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक बुलाया है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि सरकार इस दौरान महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने तथा परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को फिर से संसद में पेश करने का प्रयास कर सकती है। माना जा रहा है कि इस बार सरकार पहले पर्याप्त समर्थन सुनिश्चित करने के बाद ही विधेयक आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए विपक्षी दलों के साथ भी संवाद कर रही है। खबरों में दावा किया गया है कि सरकार दो-तिहाई बहुमत सुनिश्चित होने के बाद ही विधेयक सदन में लाना चाहती है। इसके लिए कुछ विपक्षी दलों से समर्थन या कम से कम मतदान के दौरान अनुपस्थित रहने की संभावना पर भी चर्चा होने की बात कही गई है। हालांकि, इस संबंध में सरकार की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गौरतलब है कि इससे पहले विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाने के कारण पारित नहीं कराया जा सका था। प्रस्तावित संशोधन में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के साथ लोकसभा की कुल सीटों में वृद्धि का भी प्रावधान शामिल होने की चर्चा रही है। मानसून सत्र से पहले महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विभिन्न राजनीतिक दल इस विषय पर किस प्रकार का रुख अपनाते हैं और क्या व्यापक सहमति के साथ इस लंबे समय से लंबित मुद्दे पर आगे बढ़ा जा सकेगा।

ई-20 पेट्रोल सस्ता क्यों नहीं? सरकार ने बताई वजह, दूर की उपभोक्ताओं की उलझन

नई दिल्ली(एजेंसी)। देशभर में ई-20 पेट्रोल लागू होने के बाद आम लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जा रहा है, तो इसकी कीमत शुद्ध पेट्रोल या ई-10 पेट्रोल से कम क्यों नहीं है। इस पर केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा परिस्थितियों में ई-20 पेट्रोल का उत्पादन शुद्ध पेट्रोल से सस्ता नहीं पड़ता। सरकार के अनुसार इथेनॉल की खरीद किसानों को लाभकारी मूल्य पर की जाती है। इसके अलावा इथेनॉल के उत्पादन, परिवहन, भंडारण और आपूर्ति पर भी अतिरिक्त खर्च आता है। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की मौजूदा कीमतों के कारण शुद्ध पेट्रोल की उत्पादन लागत अपेक्षाकृत कम पड़ रही है। यही वजह है कि ई-20 पेट्रोल उपभोक्ताओं को सस्ता उपलब्ध नहीं कराया जा सकता। केंद्र सरकार का कहना है कि इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम का उद्देश्य केवल कीमत कम करना नहीं, बल्कि कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाना, विदेशी मुद्रा की बचत करना, किसानों की आय बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना भी है। सरकार का दावा है कि इस कार्यक्रम से देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और लंबे समय में इसका लाभ अर्थव्यवस्था तथा उपभोक्ताओं दोनों को मिलेगा।

यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन में दरारें और गहरी: इमरान ने सपा पर गंभीर आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के इंडिया गठबंधन में तनाव बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इमरान मसूद ने सपा नेता उदयवीर सिंह की टिप्पणी के जवाब में समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेता मसूद के बयान से दोनों सहयोगियों के बीच दरारें और गहरी हो गई हैं, जिससे 2024 के लोकसभा चुनावों में सफल रही यह साझेदारी अगले विधानसभा चुनावों तक टिक पाएगी या नहीं, इस पर सवाल खड़े हुए हैं।

सपा नेता उदयवीर सिंह की टिप्पणियों का जवाब देकर कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने दावा किया कि कांग्रेस के बजाय सपा को गठबंधन की ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी ही गठबंधन के लिए जोर दे रही है और इसी की बदौलत आप 2024 में 37 सीटें जीत सके, वरना 2022 में आप 120 का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके थे। सपा पर और कड़ा प्रहार कर मसूद ने आरोप लगाया कि पार्टी प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं का समर्थन करने में लगातार विफल रही है। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी किसी मुस्लिम नेता या अपनी बात रखने वाले नेता को बर्दाश्त नहीं कर सकती, और ऐसा नेता अब कांग्रेस में है।

अतीत में सपा से जुड़े प्रमुख मुस्लिम नेताओं का जिक्र कर मसूद ने कहा कि उनकी पार्टी में किसका नुकसान हुआ? मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और आजम खान का। कांग्रेस नेता ने इस बात को खारिज किया कि उनकी चुनावी जीत सपा के साथ गठबंधन पर निर्भर थी। उन्होंने कहा, मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की वजह से अपनी सीट जीता हूं। चुनाव के दौरान मैंने गठबंधन में रहते हुए भी समाजवादी पार्टी के लिए एक भी रैली नहीं की।

मसूद के ये बयान उन सार्वजनिक टिप्पणियों की श्रृंखला का हिस्सा हैं, जिनसे दोनों विपक्षी पार्टियों के बीच बढ़ती बेचैनी सामने आई है, क्योंकि वे 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए खुद को तैयार कर रही हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष राज कुमार सिंह पटेल के सुझाव के बाद तनाव और बढ़ गया था कि विधानसभा चुनावों के लिए सपा के साथ किसी भी संभावित गठबंधन में कांग्रेस सीटों में बराबर हिस्सेदारी की मांग करेगी। मसूद के आरोप और कांग्रेस के अन्य नेताओं की टिप्पणियां दर्शाती हैं कि 2027 के उत्तर प्रदेश चुनावों से पहले दोनों पार्टियों के बीच राजनीतिक समीकरण उलझते जा रहे हैं।

ज्ञानवापी मध्यस्थता : हिंदू पक्ष का स्वागत, मुस्लिम पक्ष पर असहयोग का आरोप

वाराणसी (एजेंसी)। ज्ञानवापी विवाद को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता पहल ने फिर वाराणसी में हलचल मचा दी है। हिंदू पक्ष के वादकारियों ने कदम का स्वागत कर जिला न्यायालय में होने वाली मध्यस्थता संबंधी बैठक में शामिल होने की बात कही है। हालांकि, उन्होंने मुस्लिम पक्ष और ज्ञानवापी मस्जिद प्रबंधन समिति पर इस पहल को स्वीकार न करने का आरोप लगाया है।

हिंदू पक्ष के वादी सोहन लाल आर्य ने सुप्रीम कोर्ट की पहल को सकारात्मक बताया, लेकिन मुस्लिम पक्ष द्वारा अस्वीकार करने को सामाजिक सद्भाव के लिए ठीक नहीं बताया। आर्य ने कई सवाल उठाए, जैसे कि क्या दुनिया में ऐसी कोई मस्जिद है जिसके नीचे पूजा हो और ऊपर नमाज पढ़ी जाए, या जिसके सामने नंदी विराजमान हों? उन्होंने इन्हीं को अपने प्रमुख प्रमाण और साक्ष्य बताया। उन्होंने दावा किया कि वक्फ बोर्ड और प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट, 1991 से जुड़े मामलों में मुस्लिम पक्ष जिला न्यायालय और इलाहाबाद हाईकोर्ट में हार चुका है, और इसी कारण वे अब सुप्रीम कोर्ट में मध्यस्थता से बच रहे हैं।

हिंदू पक्ष की एक अन्य वादी लक्ष्मी देवी ने भी मुस्लिम पक्ष पर लगातार बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष को पता है कि ज्ञानवापी मंदिर है, मस्जिद नहीं, इसलिए वे मध्यस्थता में शामिल नहीं होना चाहते और मामले को लंबा खींचना चाहते हैं। उन्होंने 1669 में औरंगजेब द्वारा मंदिर तोड़कर जबरन मस्जिद निर्माण की बात कही।

ज्ञानवापी मामले की एक और हिंदू वादी ने कहा कि उनका विश्वास है कि यह स्थल मंदिर है और वे उसी पक्ष में अपनी बात रख रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट या दूसरा पक्ष स्वीकार कर मंदिर वापस कर दे, तब कोई विवाद नहीं रहेगा। साहू ने कहा कि हिंदू पक्ष हमेशा न्यायालय के आदेशों का सम्मान करता है और वे स्वयं समझौते के पक्ष में हैं, लेकिन जिसे वे मंदिर मानते हैं, उसे मस्जिद नहीं कह सकते।

किसानों के लिए आफत, मानसून की कमी और अधिकारियों की लापरवाही ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून में कमी के कारण नीति-निर्माताओं को खरीफ की बुवाई की चिंता सता रही है। इसी बीच, सांख्यिकी मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट में फसल के रकबे और खाद्य उत्पादन पर नजर रखने वाले कृषि डेटा कलेक्शन सिस्टम में भारी कमियां मिली हैं। जमीनी स्तर के डेटा का इस्तेमाल कृषि लागत और मूल्य आयोग उत्पादन लागत का हिसाब लगाने और राष्ट्रीय स्तर पर अनुमान तैयार करने के लिए करता है। सरकार इन अनुमानों के आधार पर खाद्य सुरक्षा से जुड़े अहम फैसले लेती है, जैसे कि महंगाई को काबू करने के लिए निर्यात पर रोक लगाना, आयात शुल्क में बदलाव करना या आपातकालीन बफर स्टॉक जारी करना।

नेशनल लेवल पर रिपोर्ट से पता चलता है कि गिरदावरी जो फसल के आंकड़ों का आधार है और जिसका मतलब है कि गांव के रेवेन्यू अधिकारियों द्वारा फसल की गिनती के लिए की जाने वाली सरकारी जांच, देश के आधे से भी कम हिस्से में समय पर पूरी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 2023-24 के दौरान गिरदावरी पूरी न होने के मामले चिंताजनक रूप से ज्यादा थे। नतीजतन, शुरुआती खरीफ में सिर्फ 43फीसदी सैंपल गांवों में देर से खरीफ के दौरान 46फीसदी में, रबी के दौरान 48फीसदी में और गर्मी के मौसम में 33फीसदी गांवों में ही यह काम समय पर पूरा हो पाया।

पिछले हफ्ते जारी फसल आंकड़ा प्रणाली की समीक्षा नाम की रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी राज्यों में गिरदावरी का काम समय पर पूरा करने के लिए संबंधित राज्य अधिकारियों को उचित कदम उठाने की जरूरत है। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 63 फीसदी गांव के नक्शे जो बदले हुए प्लॉट और जमीन के इस्तेमाल की सीमाओं का पता लगाने के लिए जरूरी हैं। इससे पता चलता है कि ये नक्शे शायद निर्माण और शहरीकरण की वजह से हुए बदलावों को सही ढंग से नहीं दिखाते होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुराने नक्शों के इस्तेमाल से सर्वे नंबरों की पहचान करने में दिक्कतें आती हैं। इसलिए नक्शों को नियमित रूप से अपडेट करना जरूरी है।

रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि औसत पैदावार का आकलन करने और अनाज के कुल उत्पादन का हिसाब लगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वैज्ञानिक आधार यानी क्रॉप-कटिंग एक्सपेरिमेंट, ऐसे अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे थे जिन्हें राजस्व अधिकारियों ने यह काम सौंपा था। रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 में सीसीई की कुल संख्या करीब 12 लाख होने का अनुमान था। झारखंड और उत्तर प्रदेश में 40फीसदी तक सीसीई अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा किए गए, जबकि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में 10फीसदी से ज्यादा सीसीई कनिष्ठ (जूनियर) कर्मचारियों द्वारा किए गए।

सिलवासा में खेल विज्ञान कार्यशाला का हुआ सफल आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 14 जुलाई।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देशभर में खेलों के विकास, खेल अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण तथा खिलाड़ियों को आधुनिक एवं विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहलें की जा रही हैं। इसी क्रम में खेल विज्ञान को बढ़ावा देते हुए खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धतियों से जोड़ने पर विशेष बल दिया जा रहा है। संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव में भी प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में खेलों के समग्र विकास के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत खेल एवं युवा मामले विभाग दादरा नगर हवेली और दमण-दीव द्वारा आज कला केंद्र सिलवासा में खेल विज्ञान कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शारीरिक शिक्षा शिक्षकों, प्रशिक्षकों, कोचों तथा खेल क्षेत्र से जुड़े कार्मिकों को खेल विज्ञान के नवीनतम सिद्धांतों एवं वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धतियों से अवगत कराना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खेल एवं युवा मामले विभाग के निदेशक अरुण गुप्ता रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वैज्ञानिक प्रशिक्षण, संतुलित पोषण, मानसिक दृढ़ता, चोटों की रोकथाम तथा प्रभावी पुनर्वास तकनीकों का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रतिभागियों से कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का उपयोग खिलाड़ियों के प्रशिक्षण में करने का आह्वान किया। कार्यशाला में विभिन्न विषय विशेषज्ञों ने खेल विज्ञान के विविध आयामों पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

डॉ. पल्लब दासगुप्ता ने खेल प्रशिक्षण की कला एवं विज्ञान विषय पर प्रभावी प्रशिक्षण पद्धतियों की जानकारी दी। डॉ. जतिन वालिया ने खिलाड़ियों के समग्र पुनर्वास तथा प्रतिबंधित पदार्थों के दुष्प्रभाव एवं उनके अनुमत विकल्पों पर विस्तृत जानकारी साझा की। मोहन चंद्र ने प्रशिक्षण के दौरान हृदय गति क्षेत्र के वैज्ञानिक उपयोग की जानकारी दी। तेजस्विनी ने खिलाड़ियों के श्रेष्ठ प्रदर्शन एवं शीघ्र पुनर्वास के लिए पौष्टिक आहार एवं विशेष पोषक खाद्य पदार्थों के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं अकाय सालोन बारा ने खेलों में मालिश की उपयोगिता तथा मांसपेशियों की रिकवरी एवं चोटों की रोकथाम में इसकी भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में संघ प्रदेश के सरकारी, अनुदानित एवं निजी विद्यालयों के शारीरिक शिक्षा शिक्षक, प्रशिक्षक, कोच तथा खेल विभाग से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के साथ संवाद कर खेल विज्ञान से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया। कार्यशाला का सफल आयोजन खेल एवं युवा मामले विभाग के सचिव डॉ. अरुण टी. के मार्गदर्शन एवं सहयोग तथा विभाग के अधिकारियों अक्षय कोटलवार एवं देवराज सिंह राठौड़ के समन्वय एवं कुशल व्यवस्था में संपन्न हुआ। विभाग ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार की पहलें संघ प्रदेश में खेलों के वैज्ञानिक विकास, खिलाड़ियों के समग्र उत्थान तथा उत्कृष्ट खेल संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

पारदर्शिता, दक्षता और डिजिटल शासन को बढ़ावा देने की अपनी पहल के तहत

दमण पुलिस विभाग डिजिटल पेमेंट के जरिये लेगी ट्रैफिक चालान फाइन: पीओएस मशीनों की हुई शुरूआत

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 जुलाई।

दमण पुलिस विभाग अब ट्रैफिक चालान फाइन डिजिटल पेमेंट के जरिये वसूल करेगी। इसके लिए पीओएस मशीनों का शुभारंभ किया गया है। दमण पुलिस विभाग द्वारा जारी प्रेसनोट में बताया गया है कि दमण ट्रैफिक पुलिस पारदर्शिता, दक्षता और डिजिटल शासन को बढ़ावा देने की अपनी पहल के तहत ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को ट्रैफिक चालान फाइन जमा करने के लिए पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें दी गई हैं। इन पीओएस मशीनों के आने से गाड़ी चलाने वाले अब सुरक्षित डिजिटल पेमेंट मोड के जरिए मौके पर ही ट्रैफिक चालान फाइन भर सकते हैं। पेमेंट डेबिट/एटीएम कार्ड, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई-बेस्ड क्यूआर कोड पेमेंट से किए जा सकते हैं। यह सुविधा एक तेज, आसान और कैशलेस पेमेंट सिस्टम देने के लिए शुरू की गई है।

साथ ही ट्रैफिक नियमों का पालन करने में ज्यादा पारदर्शिता और आसानी भी सुनिश्चित की गई है। ट्रैफिक चालान फाइन जमा करने के लिए पीओएस मशीनों को ट्रैफिक ब्रांच के साथ-साथ दमण के सभी पुलिस स्टेशनों पर लगाया गया है। दमण ट्रैफिक पुलिस सभी नागरिकों और टूरिस्ट से अपील करती है कि सभी ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करें।

ट्रैफिक चालान फाइन भरने के लिए डिजिटल पेमेंट के तरीकों को प्राथमिकता दें। एक पारदर्शी और कैशलेस ट्रैफिक एनफोर्समेंट सिस्टम को बढ़ावा देने में पुलिस का सहयोग करें। ट्रैफिक एनफोर्समेंट को और बेहतर, पारदर्शी और नागरिकों के लिए आसान बनाने के लिए जनता का सहयोग ज़रूरी है। दमण ट्रैफिक पुलिस सड़क सुरक्षा बनाए रखने और डिजिटल सेवाओं को अपनाने में सभी निवासियों और विजिटर्स के लगातार सपोर्ट के लिए दिल से तारीफ करती है। जनता की सुविधा और सडक सुरक्षा के हित में जारी किया गया है।

संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया के कार्यकाल को सफल एक वर्ष पूर्ण होने पर उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ ने दी शुभकामनाएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 जुलाई। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के अध्यक्ष पद पर सफलतापूर्वक एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर दमण जिला भाजपा उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं ने अध्यक्ष नीरज मिश्रा के नेतृत्व में प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचकर उनसे सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महेश आगरिया को पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस मौके पर प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों द्वारा कहा गया कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के नेतृत्व में प्रदेश भाजपा संगठन निरंतर सशक्त हुआ है तथा संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति एवं ऊर्जा प्राप्त हुई है। उनके कुशल नेतृत्व में पार्टी ने जनसेवा, संगठन विस्तार एवं जनकल्याण के कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया है। इस अवसर पर उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं समाज के अग्रणी उपस्थित रहे।

श्री वणाकबारा समस्त खारवा समाज की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से हुआ चयन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 14 जुलाई। श्री वणाकबारा समस्त खारवा समाज की वर्षों पुरानी परंपरा और व्यवस्था के अनुसार हाल ही में हुई समाज की सामान्य बैठक में नई कार्यकारिणी की सर्वसम्मति से नियुक्ति की गई। इस बैठक में मौजूद समाज के वरिष्ठ नागरिकों और सदस्यों की सहमति से विभिन्न पदाधिकारियों का चयन किया गया। नई कार्यकारिणी में एक बार फिर सर्वसम्मति से पटेल/अध्यक्ष के रूप में दिनेश पांजणी को चुना गया। पंच के प्रमुख कीर्ति गोहिल, उपप्रमुख मुकेश लोढारी, मंत्री सुभाष कोटिया, संयुक्त सचिव संजय दरी, समाज के मुकादम गणेश आंजणी की नियुक्ति की गई। नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद समग्र वणाकबारा समस्त खारवा समाज में खुशी और उत्साह का माहौल है। समाज के लोगों ने नए पदाधिकारियों को पुष्पहार पहनाकर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। नवनियुक्त अध्यक्ष दिनेश पांजणी वर्तमान में वणाकबारा स्थित महाराणा प्रताप ग्राम पंचायत के उपसरपंच के रूप में सेवा कर रहे हैं और दीव जिला भाजपा के उपाध्यक्ष के तौर पर अपनी सामाजिक और राजनीतिक जिम्मेदारियों को भी बखूबी निभा रहे हैं। सभी को उम्मीद है कि नई कार्यकारिणी समाज के विकास, एकता और सेवा के कार्यों में और अधिक सक्रियता से काम करेगी।

पुणे में आयोजित 5वीं इंडिया ताइक्वांडो ओपन पैरा नेशनल चैंपियनशिप में

दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के दिव्यांग खिलाड़ियों ने रचा इतिहास

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 14 जुलाई। दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के दिव्यांग खिलाड़ियों ने पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित 5वीं इंडिया ताइक्वांडो ओपन पैरा नेशनल चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण एवं एक रजत पदक जीतकर केंद्रशासित प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। दिव्यांग स्पोर्ट्स एंड वेलफेयर ऑफ दादरा नगर हवेली एंड दमण-दीव एसोसिएशन द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, खुटली, खानवेल, सिलवासा के सहयोग से दिनांक 9 से 12 जुलाई 2026 तक आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 4 दिव्यांग खिलाड़ियों एवं 2 प्रशिक्षकों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में पूजा राणे ने स्वर्ण पदक, सीताराम पटेल ने रजत पदक, श्रीमंथ बाल ने स्वर्ण पदक तथा एजाज़ शेख ने स्वर्ण पदक जीतकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। खिलाड़ियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से पूरे केंद्रशासित प्रदेश में हर्ष का वातावरण है। विजेता खिलाड़ियों को हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, खुटली, खानवेल, सिलवासा के मनीष शर्मा (यूनिट एचआर हेड) और रिंकल परमार (सीएसआर) ने बधाई दी। इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन इंडिया ताइक्वांडो द्वारा किया गया, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। संस्था की डायरेक्टर एवं सेक्रेटरी नेहा चौहान तथा अध्यक्ष मेहुलकुमार के प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं सतत प्रोत्साहन से खिलाड़ियों ने यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। संस्था ने इस उपलब्धि का श्रेय खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अभिभावकों के सहयोग तथा हिंडालको इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के निरंतर सहयोग को दिया है। संस्था ने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्यमें भी इसी प्रकार के प्रयासों से दिव्यांग खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अधिक अवसर प्राप्त होंगे तथा वे देश और संघ प्रदेश का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

वलसाड एसओजी ने किया नशा विरोधी एवं कोस्टल सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी 14 जुलाई।

वलसाड जिला पुलिस अधीक्षक युवराजसिंह जाडेजा के मार्गदर्शन में वलसाड जिला पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने ड्रग-फ्री इंडिया कैंपेन के तहत आज सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:10 बजे तक वलसाड ग्रामीण पुलिस स्टेशन के अंतर्गत भदेली, हिंगराज उडान श्मशान भूमि पर एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के तहत नशा-विरोधी और तटीय सुरक्षा के बारे में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर पीएसआई वाई. पी. हडिया और एसओजी के पुलिस स्टाफ के के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में 70 से ज्यादा ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर युवाओं के जीवन पर नशीले पदार्थों के इस्तेमाल के बुरे असर, शारीरिक और मानसिक नुकसान और एनडीपीएस एक्ट के तहत कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पीएसआई वाई. पी. हडिया ने ड्रग्स की लत कैसे जीवन बर्बाद कर देती है और पुलिस की मदद से समाज को नशा-मुक्त कैसे बनाया जाए और समुद्री सुरक्षा के बारे में जागरूकता कैसे फैलाई जाए इसके बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को नश मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस दौरान सभी ने शपथ ली कि हम समझते हैं कि हमारे देश में, खासकर युवाओं के बीच, नशीले पदार्थों का दुरुपयोग बढ़ रहा है और यह चिंता का विषय है। हम शपथ लेते हैं कि हम नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने में सहयोग करेंगे। हम वादा करते हैं कि हम किसी भी तरह का नशा नहीं करेंगे। हम सभी को खासकर युवाओं को, नशीले पदार्थों के बुरे असर के बारे में जागरूक करने और भारत को नशा-मुक्त राष्ट्र बनाने तथा समाज का रचनात्मक और महत्वपूर्ण सदस्य बनने की पूरी कोशिश करेंगे। आज हम नशीले पदार्थों से दूर रहने और स्वस्थ जीवन जीने का संकल्प लेते हैं।

(पेज 1 का शेष समाचार)

मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और एयरोस्पेस इनोवेशन धोलेरा को वैश्विक औद्योगिक...

इस योजना का शुरुआती विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का था, जिन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए एक भविष्यवादी शहर, मैन्युफैक्चरिंग हब और विश्व-स्तरीय हवाई अड्डे की कल्पना की थी। इस विज़न को साकार करने के लिए, एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, गुजरात सरकार और NICDIT (DPIIT के तहत) के बीच एक जॉइंट वेंचर बनाया गया। किंजरापु राममोहन नायडू ने आगे कहा कि धोलेरा को मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के एक मॉडल के तौर पर डिज़ाइन किया जा रहा है। विश्व-स्तरीय हवाई कनेक्टिविटी के साथ-साथ, यह हवाई अड्डा एक प्रीमियम छह-लेन वाले नेशनल हाईवे और हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से भी जुड़ा है। असल में, केंद्रीय कैबिनेट ने हाल ही में रेल कॉरिडोर प्रोजेक्ट के लिए 20,667 करोड़ रूपये की मंजूरी दी है और हमने यह सुनिश्चित किया है कि इसका एंट्री पॉइंट और स्टेशन सीधे हवाई अड्डे के टर्मिनल के बगल में हों। अहमदाबाद से यात्रा करने वाला यात्री हाई-स्पीड ट्रेन से सीधे टर्मिनल पर उतर सकेगा। व्यापक रणनीतिक विज़न पर बात करते हुए मंत्री ने समझाया कि हवाई अड्डों को सामान्य नागरिक उड्डयन कार्यों से आगे बढ़कर आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनना चाहिए। सोच में यह बदलाव धोलेरा को एरोट्रोपोलिस के रूप में डिज़ाइन करने में दिखता है। उन्होंने कहा कि जब भी ग्लोबल या लोकल कंपनियां भविष्य की टेक्नोलॉजी में निवेश करना चाहती हैं - चाहे वह सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग हो या ग्रीन एनर्जी - तो उनकी मुख्य माँग एयरपोर्ट के पास होने की होती है। धोलेरा यह खास फायदा देता है। खासकर, टाटा की आने वाली सेमीकंडक्टर फ़ैसिलिटी और एयरबस की डिफेंस पार्टनरशिप को साइट पर मौजूद हमारे खास मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल हैंगर से सीधा फ़ायदा होगा। ये हैंगर भारत के पहले स्वदेशी मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, उ-295 के टफ्ड ऑपरेशन में मदद करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि सिविल एविएशन सेक्टर में एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर, हमने ब्राज़ील की बड़ी एयरोस्पेस कंपनी एम्ब्रेयर और अडानी एविएशन सिस्टम्स के बीच एमओयू को फाइनल कर लिया है। भारत के पहले सिविलियन मेक इन इंडिया एयरक्राफ्ट की फाइनल असेंबली लाइन के लिए धोलेरा को चुना गया है, जिसका लक्ष्य 2028 तक पहला प्लेन तैयार करना है। इससे धोलेरा सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और एयरोस्पेस में भविष्य के निवेश के लिए सबसे अच्छी जगह बन जाता है। मंत्री ने कॉन्ट्रैक्टर और अधिकारियों को सितंबर तक साइट पर काम पूरा करने का लक्ष्य देते हुए प्रेस ब्रीफ़िंग खत्म की। साथ ही, मंत्रालय अगले तीन महीनों में डीजीसीए के साथ मिलकर जरूरी एयरपोर्ट लाइसेंसिंग हासिल करने के लिए काम करेगा, ताकि सितंबर या अक्टूबर तक धोलेरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को चालू किया जा सके। एयर इंडिया की फ़्लाइट से जुड़े अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बारे में मंत्री ने कहा कि जांच अभी अपने आखिरी चरण में है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो जो जांच कर रहा है, पूरी तरह से काबिल है और पूरी पारदर्शिता के साथ जांच कर रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह रिपोर्ट जल्द से जल्द आना जरूरी है, लेकिन उससे भी ज़्यादा ज़रूरी यह है कि दुर्घटना कैसे और क्यों हुई, इसका पूरा सच सामने आए। मंत्री ने यह भरोसा जताते हुए अपनी बात खत्म की कि जांच की फाइनल रिपोर्ट बहुत जल्द आ जाएगी।

मोटी दमण लाइट हाउस के पास समुद्र किनारे मिला अज्ञात युवक का शव

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 14 जुलाई। मोटी दमण लाइट हाउस के सामने समुद्र किनारे गत दिनों 7 जुलाई को सुबह 11.40 बजे एक अज्ञात युवक का शव मिला था। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू की थी। मृतक युवक की पहचान नहीं हो सकी है। मृत युवक की उम्र लगभग 25 से 35 वर्ष के बीच है। मृतक काले रंग का फूल बांह का टी-शर्ट और काले रंग पैंट पहने हुआ था। ऊंचाई 5 फुट 6 इंच, बाल काले और थोडे लंबे, दाढी और मूंछ एवं शरीर मजबूत बांधे का है। इस व्यक्ति के बारे में किसी को कोई जानकारी हो या कोई सगा संबंधी हो तो दमण पुलिस और कोस्टल पुलिस थाना मोटी दमण के हेड कांस्टेबल केतन दमणिया के मोबाइल नंबर 9824184704 पर संपर्क करें।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव

लोक निर्माण विभाग - दमन

निविदा आमंत्रण सूचना

दमन ज़िले में पंचायत सड़कों को मज़बूत और चौड़ा करना ((पटलारा, मगरवाड़ा, परियारी, दमनवाड़ा और कुनेथा (एक)) (EPC मोड)। (दूसरी कॉल)

टेंडर आईडी नंबर : 2026_DAMAN_4868_1

प्रीबिड मीटिंग की तारीख : 17/07/2026
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 29/07/2026
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 29/07/2026
बोली खुलने की तिथि : 29/07/2026

For details please scan https://ddtenders.gov.in

कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., दमण,

NO: IP/DMN/2/5/2026-27/306 DATE:- 14/07/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव का केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन

दमण नगर पालिका, दमण

निविदा आमंत्रण सूचना

[i] डीएमसी क्षेत्र में वर्ष 2026-27 के लिए सभी प्रकार की सड़कों और फुटपाथों की मरम्मत, सुदृढ़ीकरण और रखरखाव।

निविदा संख्या : 12/2026-27/DMC
निविदा पहचान संख्या 2026_DAMAN_4879_1
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि :20/07/2026
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 23/07/2026
बोली खुलने की तिथि : 23/07/2026

For details please scan

मुख्य अधिकारी, दमण नगर पालिका परिषद, दमण

NO: IP/DMN/2/5/2026-27/307 DATE:- 14/07/2026

केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव.

उप वन संरक्षक, दमन और दीव, दीव.

"दीव के नक्षत्रवन में प्रत्येक 21 मीटर लंबाई की 2 क्रीपर टनलों की स्थापना।"

निविदा क्रमांकन. 2026_DIUDT_4884_1

विवरण के लिए कृपया स्कैन करें या विज़िट करें ddtenders.gov.in

हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि: 27/07/2026 up to 02:00 pm

बोली खुलने की तिथि: 27/07/2026 at 04:00 pm

dcf-diu-dd@nic.in
02875-252485

उप वन संरक्षक, दीव के कार्यालय - 362520

NO: IP/DMN/2/5/2026-27/309 DATE:- 14/07/2026

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM NITINBHAI RAMANBHAI PATEL TO **NITIN RAMANBHAI PATEL** ADDRESS: - 235/1, AMALIYA FALIA, DABHEL, NANI DAMAN-396210.

प्रधानमंत्री मोदी को मिले पुरस्कारों पर गार्जियन की हताशा

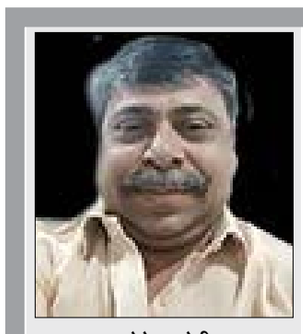

योगेन्द्र योगी

भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है।

दा गार्जियन अखबार ने मोदी और भारत की छवि धूमिल करने के लिए एक अंग्रेजी मे एक लेख लिखा। जिसका सारांश यह है कि कोई झूठे भी पुरस्कार देने के लिए बुलाए तो प्रधानमंत्री मोदी दौड़े दौड़े चले जाते हैं। मतलब यह अखबार कहना चाह रहा कि मोदी पुरस्कार के भूखे हैं, साथ ही यह भी जताने की कोशिश कर रहा है, जिन देशों ने मोदी को उनकी विदेश यात्रा के दौरान पुरस्कार दिए, उनकी कोई प्रतिष्ठा नहीं हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी को इन देशों ने फिजूल में पुरस्कार दिए हैं। गार्जियन ने यह लेख लिख कर मोदी सहित भारत का तो अपमान किया ही है, साथ मोदी को पुरस्कार देने वाले उन देशों के नागरिकों, पुरस्कारों और उन देशों के राष्ट्रप्रमुखों का भी अपमान किया है।

इस लेख की भड़ास के बावजूद पीएम मोदी को पुरस्कारों का सिलसिला थम नहीं रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान ह्यबिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशियाह्न मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पीएम मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रदान किया। वर्ष 2016 से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के देशों से ऐसे 34 सम्मान मिल चुके हैं। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री को मिले सम्मानों में सबसे अधिक हैं। इनमें से कुछ सम्मान सदियों पुराने हैं, जबकि कुछ सम्मान संबंधित देशों की सम्मान प्रणाली में हाल ही में शामिल किए गए हैं।

गार्जियन का यह लेख में भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का कुत्सित प्रयास है। विश्व का बड़ा और प्रभावशाली शायद ही कोई देश बचा होगा जिसके प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ने मोदी और भारत की तारीफ नहीं की होगी। दरअसल यह तारीफ पाश्चात्य मीडिया पचा नहीं पा रहा है, पचा इसलिए भी नहीं पा रहा है कि भारत न सिर्फ घरेलू स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तरक्की के झंडे गाढ़ रहा है। चंद्रयान और मंगलयान मिशन की कामयाबी इसके बड़े उदाहरण हैं। जो विकसित देश भी हासिल नहीं कर सके। यह अखबार यह भी भूल गया कि जब कोरोना काल में पूरी दुनियां में हाहाकार मचा हुआ था, तब भारत ने ही कोरोना वैक्सीन दर्जनों देशों को निशुल्क भेज कर करोड़ों लोगों की जाने बचाने का काम किया था।

क्या ऐसे परोपकारी कार्यों के लिए उन्हें विदेशी पुरस्कार नहीं दिया जा सकता।

गार्जियन ने इसका जिक्र कभी नही किया कि विश्व को मोदी नेतृत्व में भारत ने क्या–क्या दिया है। भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसी सस्ती और सुलभ डिजिटल पेमेंट प्रणाली नेपाल, भूटान, सिंगापुर, यूएई और मॉरीशस ने अपना लिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की प्राचीन धरोहर योग को मोदी सरकार के प्रयासों से वैश्विक मान्यता मिली ?संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर वर्ष 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाया जाता है। मोदी सरकार के प्रयासों से ही अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाया गया।

भारत ने प्राकृतिक आपदा के दौरान विश्व के देशों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा रहा है। तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप के दौरान'मिशन सागर'और'ऑपरेशन दोस्त'के जरिए विश्व स्तर पर मानवीय सहायता पहुंचाई गई। वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप के बाद ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत बचाव दल और पोर्टेबल अस्पताल भेजे गए। म्यांमार में ऑपरेशन ब्रह्मा (2025) और ऑपरेशन सहायता (2008) के तहत भूकंप व चक्रवात के दौरान भारी राहत सामग्री व चिकित्सा सुविधाएँ दी गईं। श्रीलंका में सुनामी (2004) में ऑपरेशन रेनबो और चक्रवात (2025) में ऑपरेशन सागर बंधु के माध्यम से सहायता प्रदान की गई।

भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है। इन अभियानों की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि नौसेना ने बिना किसी राष्ट्रीय भेदभाव के, पाकिस्तानी और ईरानी नागरिकों सहित कई देशों के नाविकों को भी बचाया है।

गार्जियन खासकर विदेशी मीडिया को कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारी परेशानी है। भारत में उन्हें यह उल्लंघन नजर आता है। अंग्रेजों ने भारत पर 200 साल राज किया। अंग्रेज शासकों ने इस अवधि में भारतीयों पर अत्याचारों के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। अंग्रेज व्यापारी बन कर आए और तानाशाह बन बैठे, खूब लूट खसौट की और भारत से सारा मालमत्ता समेट कर चंपत हो गए। आज भी कोहिनूर का हीरा इन्हीं अंग्रेजों के पास है, जो यह बताता है कि किस तरह इन्होंने भारत में लूटपाट मचाई थी। ऐसे मानवाधिकारों के उल्लंघन गार्जियन जैसे अखबारों को दिखाई नहीं देते। मानवाधिकारों के इन विदेशी पैरोकारों को जलियांवाला बाग दिखाई नहीं देता, जहां निहत्थे प्रदर्शकारियों को चारों तरफ से घेर कर एक अंग्रेज अधिकारी डायर ने गोलियों से भून डाला था।

गार्जियन को यह कभी दिखाई नहीं दिया कि किस तरह केंद्र सरकार ने मुसलमानों की भलाई का एक ऐतिहासिक काम किया, जिसे करने से पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री डरते रहे। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को तलाक के बाद मिलने वाला कानून हक दिलवाया है। जिन्हें पहले पति तीन बार तलाक तलाक बोल कर धक्के खाने के लिए छोड़ दिया जाता था।काग्रेस ने मुसलमानों के वोट के डर से सुप्रीम कोर्ट के शाह बानों के फैसले को ही पलट दिया था, जिसमें कोर्ट ने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था, इसके खिलाफ तत्कालीन काग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कानून बना दिया था।

विदेशी अखबारों को तकलीफ हो रही है कि मोदी राज में कैसे मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, जब भारत ने ऐसे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया तब खीझ उतारने के लिए कह दिया कि मोदी पुरस्कार के लिए दौड़े चले आते हैं। जिला स्तर, वार्ड स्तर, राज्यस्तर या राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी और निजी क्षेत्र में पुरस्कार के लिए कितने पापड़ बेलने पड़ते हैं, इन्हें पाने के लिए लोग अपनी पूरी उम्र खपा देते हैं। उसमें भी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा होती है, तब कहीं जाकर किसी एक का चयन किया जाता है।

ऐसे में देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले पुरस्कार का मापदंड कितने कठोर होगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। इन पुरस्कारों में पुरस्कार देने वाली सरकार के साथ उन देशों के करोड़ों लोगों की भावनाएं भी जुड़ी होती हैं। चलो मान भी लिया जाए कि किसी एक देश ने भारत से कुछ फायदा लेने के लिए कोई पुरस्कार दे दिया होगा, पर मोदी को तो दर्जनों देशों के सर्वोच्च पुरस्कार मिले हैं, तो क्या इन सब देशों को मोदी फायदा पहुंचाएंगी, वो भी सिर्फ एक पुरस्कार के कारण, यदि ऐसा हुआ होता ना तो अब तक देश में तूफान आ जाता, काग्रेस ओर विपक्षी दलों ने आसमान सिर पर उठा लिया होता। गार्जियन का यह लेख सिर्फ हताशा ही प्रकट करता है, इससे पहले भी इसी तरह के विदेशी अखबारों में लेखों के जरिए भारत की छवि और विकास की तरफ बढ़ते कदमों को रोकने का असफल प्रयास किया जाता रहा है।

संपादकीय

सभ्यताओं के टकराव का युद्ध

पांच दिन, तीन रातें और कुल 310 विनाशक, विध्वंसक हमले...! क्या इन हमलों और बारूदी विस्फोटों के बाद किसी का अस्तित्व जिंदा रह सकता है? यकीनन ईरान अब भी तैनात, मोचार्बंद है और अमरीकी सेना के हमलों के पलटवार में खाड़ी देशों में सक्रिय अमरीका के सैन्य अड्डों को तबाह भी कर रहा है। यदि अमरीकी हमलों ने चाबहार, सिरिक, असालुयेह, यासूज, कोनारक, बुशहर आदि बंदरगाहों, सैन्य और परमाणु संयंत्र के करीबी ठिकानों पर विनाशक प्रहार करके बुनियादी ढांचे को बर्बाद किया है, तो खाड़ी देशों में अमरीका के 17 सैन्य बेस ईरान ने इस कदर तबाह किए हैं कि आने वाले कुछ वक्त तक वहां से ऑपरेशन करना मुनासिब नहीं होगा। अब यह युद्ध अनैतिकता, अहंकार, सभ्यताओं के टकराव और ईसाई बनाम शिया मुसलमान का युद्ध बनता जा रहा है। युद्ध थोपने के अमरीका-इजरायल के जो मंसूबे, मकसद थे, वे नाकाम होकर काफी पीछे छूट गए हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर युद्ध केंद्रित हो गया है। ईरान ने ओमान तट पर एक कार्गो जहाज पर हमला किया। पलटवार में अमरीकी हमलों ने ईरान में धुआं-धुआं कर दिया। ईरान खंडहर में तबदील होता जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ईरानी सभ्यता को ही मिटा देने पर आमादा हैं। वह ईरान को पाषाणकाल में धकेल देना चाहते थे, उन्होंने ऐसा बयान कई बार दोहराया था। अब ट्रंप का दावा है कि होर्मुज खुला है, जहाज-टैंकर आ-जा सकते हैं, लेकिन ईरान के आईआरजीसी ने ऐलान किया है कि होर्मुज फिलहाल बंद है। वैसे भी जो जहाज होर्मुज पार कर निकलना चाहते हैं, वे ईरानी अथॉरिटी से इजाजत लें। यदि होर्मुज के बजाय ओमान रूट से जहाज-टैंकर गुजरना चाहेंगे, तो उन पर मिसाइल-ड्रोन हमले किए जाएंगे।

बीते 15 दिनों में 70-80 जहाज चीन की ओर निकले हैं, उन पर हमले क्यों नहीं किए गए? बीती 10 जुलाई को 19 जहाज होर्मुज से निकले थे, जाहिर है कि उन्होंने 'ईरानी टोल' दिया होगा! बहरहाल जिस जहाज पर ईरान ने हमला किया था और अमरीका ने पलटवार में 140 हमले किए, उस जहाज पर साइप्रस देश का झंडा लगा था, लेकिन चालक दल में 11 भारतीय भी थे। ओमान ने लाइफ बोट के जरिए 10 भारतीयों सहित कुल 23 नाविकों को बचाया, लेकिन एक भारतीय नाविक लगातार लापता बताया जा रहा है। असीम समंदर में 'लापता' के मायने समझे जा सकते हैं। इससे पहले, जून माह में ही, अमरीकी सेना ने हमला कर 3 भारतीय नाविकों की 'हत्या' कर दी थी। हम इसे 'हत्या' ही मानते हैं, क्योंकि आज के विकसित, तकनीकी सम्पन्न परिवेश में तमाम डाटा उपलब्ध होता है कि किस जहाज पर क्या माल लदा है? उसका गन्तव्य क्या है? उसके नाविकों में किस देश के नागरिक हैं? सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कार्गो जहाज को लगातार 'चेतावनी' दी जाती है और उसके जवाब की प्रतीक्षा की जाती है।

दुनिया को असुरक्षित महसूस कराती ट्रंप की युद्धनीति

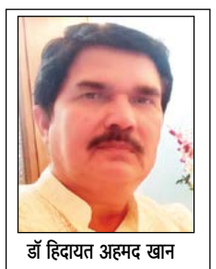

डॉ हिदायत अहमद खान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद की हत्या किए जाने की आशंका जताकर पूरी दुनियां का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। दरअसल ट्रंप का यूं स्वयं की हत्या की आशंका जताना केवल एक व्यक्तिगत सुरक्षा संबंधी बयान नहीं है, बल्कि उस व्यापक भू-राजनीतिक संकट का संकेत भी है, जिसकी आहट आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। जब किसी महाशक्ति का सर्वोच्च नेता सार्वजनिक रूप से अपनी सुरक्षा पर खतरे की बात करता है और साथ ही किसी देश को पूरी तरह समाप्त कर देने जैसी चेतावनी देता है, तब यह केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं रह जाती, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाती है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने राजनीतिक जीवन में स्वयं को अक्सर एक ऐसे नेता के रूप में प्रस्तुत किया है, जो दुनिया में शांति स्थापित करना चाहता है। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम कराने और पश्चिम एशिया में स्थिरता लाने जैसे दावे भी किए हैं। हालांकि, व्यवहारिक राजनीति में उनके कई फैसले इसके विपरीत दिखाई देते हैं। ईरान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई, आर्थिक प्रतिबंधों का विस्तार और लगातार कठोर बयान यह संकेत देते हैं कि उनकी विदेश नीति में कूटनीति की तुलना में शक्ति प्रदर्शन को अधिक महत्व दिया जा रहा है। यही नहीं शक्तिशाली देश को कमजोर करने या उसकी कमजोरी उजागर कर पड़ोसी दुश्मन देश को उसके खिलाफ भड़काने का काम भी बहुतायत में हुआ है। ईरान के मामले में आंकलन गलत साबित हुआ है, इस कारण इजराइल चुप हो गया और अब अमेरिका खुद को इस चक्रव्यूह से निकालने की कोशिश में सब गंवाते चले जा रहे हैं।

वर्तमान परिस्थितियां बता रही हैं कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य तनाव केवल दो-तीन देशों का विवाद नहीं रह गया है। इसका सीधा प्रभाव पूरे पश्चिम एशिया, वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ रहा है। इन हमलों में अन्य देशों के नागरिक भी अपनी जान गंवा रहे हैं। कुल मिलाकर जान-माल का खासा नुक्सान हो रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से बड़े स्तर पर वैश्विक तेल आपूर्ति की जाती है। यदि यहां सैन्य टकराव बढ़ता है तो इसका असर तेल की कीमतों से लेकर वैश्विक अर्थव्यवस्था तक दिखाई देगा। ट्रंप का यह कहना कि यदि उनकी हत्या होती है तो ईरान को अभूतपूर्व सैन्य जवाब दिया जाएगा, राजनीतिक दृष्टि से भले ही समर्थकों को संदेश देने का प्रयास हो, लेकिन संवैधानिक और संस्थागत दृष्टि से यह उतना सरल नहीं है। अमेरिकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में राष्ट्रपति की अनुपस्थिति की स्थिति के लिए स्पष्ट संवैधानिक प्रावधान मौजूद हैं। किसी भी सैन्य कार्रवाई का निर्णय तत्कालीन राष्ट्रपति और संस्थागत प्रक्रिया के माध्यम से ही लिया जाता है। इसलिए व्यक्तिगत चेतावनी और संवैधानिक वास्तविकता में स्पष्ट अंतर है। इसे ट्रंप भी समझ रहे हैं, इसलिए आगे वो कहते सुने जाते हैं कि उनकी हत्या का बदला वर्तमान उपराष्ट्रपति वेंस लेंगे, क्योंकि तब वो राष्ट्रपति होंगे। दूसरी ओर, ईरान भी लगातार अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है और अमेरिका तथा इजराइल के विरुद्ध कड़े बयान दे रहा है। दोनों पक्षों की ओर से आक्रामक भाषा और सैन्य गतिविधियों का विस्तार इस आशंका को बढ़ाता है कि यदि किसी भी स्तर पर गलत आकलन या छोटी सी चूक हुई, तो उसका परिणाम व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष के रूप में सामने आ सकता है। इतिहास गवाह है कि अनेक बड़े युद्ध ऐसी ही परिस्थितियों में शुरू हुए, जब कूटनीतिक संवाद की जगह सैन्य शक्ति का प्रदर्शन हावी हो गया। इस पूरे घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक मनोविज्ञान का भी है। किसी नेता द्वारा स्वयं पर हमले की आशंका सार्वजनिक करना कई बार सुरक्षा संबंधी वास्तविक चिंताओं का परिणाम हो सकता है, तो कई बार यह अपने समर्थकों को संगठित करने और कठोर नीतियों को उचित ठहराने का राजनीतिक माध्यम भी बनता है। इसलिए ऐसे बयानों का मूल्यांकन तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर ही किया जाना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक भावनाओं के आधार पर। आज दुनिया पहले से ही रूस-यूक्रेन युद्ध, गाजा संकट, पाकिस्तान-अफगानिस्तार, सीरिया संकट और विभिन्न क्षेत्रीय संघर्षों से जूझ रही है। ऐसे समय में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता टकराव वैश्विक शांति के लिए नई चुनौती बन सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा संयम और संवाद की अपील इसी कारण महत्वपूर्ण है। किसी भी युद्ध का अंत अंततः बातचीत की मेज पर ही होता है, लेकिन तब तक उसकी कीमत हजारों जानें, आर्थिक तबाही और वर्षों की अस्थिरता के रूप में चुकानी पड़ती है। महाशक्तियों की जिम्मेदारी केवल अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाना और दिखाना नहीं, बल्कि वैश्विक शांति बनाए रखना भी है। युद्ध की भाषा अल्पकालिक राजनीतिक लाभ दे सकती है, किंतु स्थायी समाधान केवल कूटनीति, विश्वास निर्माण और संवाद से ही संभव है। वर्तमान परिस्थितियों में यही वह रास्ता है, जो अमेरिका, ईरान और पूरी दुनिया को एक बड़े संकट से बचा सकता है।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का क्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस क्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था। प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है। यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है।कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है।वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है।लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व।व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं।क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है।जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है।जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है।उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा।प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

विश्व युवा कौशल दिवस- साझा भविष्य की सबसे मजबूत नींव है युवा कौशल क्रांति

योगेश कुमार गोयल

रोजगार नहीं, अवसर सृजन की शक्ति है कौशल...

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा स्थानीय व वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अन्य कौशलों के विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जुलाई को 'विश्व युवा कौशल दिवस' मनाया जाता है। चूंकि यह दिन विश्वभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है, इसीलिए यह दिवस मनाए जाने का काफी महत्व है। दरअसल पूरी दुनिया आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई चुनौतियां खासकर युवा वर्ग को बहुत प्रभावित करती हैं। यह दिवस युवाओं और 'तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण' (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, नीति निमार्ताओं तथा विकास भागीदारों के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह दिन लैंगिक असमानता को समाप्त करने तथा कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को बढ़ावा देने के लिए भी खास माना जाता है।

विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पूरी दुनिया में 200 मिलियन से भी ज्यादा युवा या तो बेरोजगार हैं या उनके पास नौकरी तो है लेकिन वे गरीबी में जी रहे हैं। केवल 1997 और 2017 के बीच ही युवा आबादी में 139 मिलियन की वृद्धि हुई, वहीं युवा श्रम बल में 58.7 मिलियन की कमी आई। कोरोना काल के बाद तो युवा श्रम बल को लेकर स्थिति काफी बदतर हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में पांच में से दो युवा श्रमिक प्रतिदिन 3.1 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर जीवनयापन करते हैं और वैश्विक स्तर पर 4 में से 3 युवा कर्मचारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं, जो सभ्य काम नहीं है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश युवा अभी भी स्थिर या संतोषजनक नौकरी पाने के लिए औसतन 13.8 महीने तक प्रतीक्षा करते हैं, जो शिक्षा से नौकरी में एक कठिन संक्रमण को दर्शाता है। चूंकि पूरी दुनिया में युवा बेरोजगारों बहुत बड़ी फौज है, इसलिए उनके लिए आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के कौशल से लैस होना और भविष्य में होने वाली बाधाओं को झेलने के लिए लचीलापन होना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती युवा बेरोजगारी आज की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के सामने विकसित और विकासशील देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या है। इसीलिए विश्व युवा कौशल दिवस का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी और अल्प-रोजगार की चुनौतियों के संदर्भ में आज के युवाओं के लिए बेहतर सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्राप्त करना है।

युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करने और साथ ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने तथा सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जुलाई 2014 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाने की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस 15 जुलाई को एक खास विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस दिवस के लिए 'साझा भविष्य के लिए कौशल' विषय निर्धारित किया गया है, जो इस विचार को रेखांकित करता है कि भविष्य केवल तकनीकी दक्षता से नहीं बल्कि ऐसे संतुलित कौशलों से निर्मित होगा, जिनमें डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित तकनीक, सामाजिक-भावनात्मक समझ, सहयोग, नवाचार और जिम्मेदार नागरिकता का समावेश हो।

भारत में 2015 में इसी दिन यानी 15 जुलाई को ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' (पीएमकेवीवाई) की शुरूआत की गई थी। इसके तहत युवाओं को मुफ्त में लघु अवधि का औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे रोजगार प्राप्त कर सकें। 14 से 35 वर्ष के युवा इस मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने या एक वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। कोर्स पूरा करने के पश्चात प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो देशभर में मान्य है और इस कौशल प्रमाणपत्र के आधार पर आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। चूंकि युवा वर्ग समाज में अधिक न्यायसंगत, समान और प्रगतिशील अवसरों तथा समाधानों की मांग कर रहा है, इसलिए युवाओं के समक्ष आने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और लैंगिक समानता तक पहुंच जैसी बहुमुखी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है और इसके लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपने कार्य वातावरण में अधिक रोजगार योग्य तथा अधिक उत्पादक बनाने के लिए गंभीर पहल किए जाने की भी जरूरत है।

भारत में केंद्र सरकार की ऐसी ही महत्वपूर्ण पहल है 'कौशल भारत', जिसके जरिये सफल होने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करने के प्रयास किए जाते हैं। 'स्किलिंग इंडिया' के तहत 'कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय' भारतीयों में ऐसे कौशल विकसित करने की पहल और योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान बढ़ा सकें। दरअसल युवा राष्ट्र निर्माण और छवि निर्माण दोनों में ही सबसे बड़े हितधारक हैं, इसलिए उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने तथा देश और दुनिया को एक बड़ा कुशल कार्यबल प्रदान करने पर सरकार का फोकस है। युवाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में 'नेशनल अप्रेन्टसशिप प्रोमोशन स्कीम', युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने, नवविचार को प्रोमोट करने, देश में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'स्टार्टअप इंडिया', बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को नया कारोबार शुरू करने के लिए लोन उपलब्ध करवाने हेतु 'पीएम रोजगार योजना' इत्यादि विभिन्न योजनाएं भी शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक हिंसक संघर्ष शिक्षा और स्थिरता को बाधित करते हैं, ऑनलाइन वातावरण में नकारात्मकता को बढ़ावा देने वाला ध्रुवीकृत वातावरण और लगातार आर्थिक असमानता अवसरों को सीमित करती है। ये मुद्दे न केवल व्यक्तिगत भविष्य बल्कि समाज की समग्र स्थिरता को भी खतरे में डालते हैं। शांति की संस्कृति को बढ़ावा देने, जिम्मेदार वैश्विक नागरिकों का पोषण करने और सभी के लिए अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करना महत्वपूर्ण है। विश्व युवा कौशल दिवस युवाओं की क्षमता को पहचानने, उन्हें चुनौतियों का सामना करने तथा शांतिपूर्ण, समृद्ध और टिकाऊ भविष्य में योगदान देने के लिए कौशल और अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता पर जोर देता है। दरअसल तीव्र गति से विकसित होती प्रौद्योगिकी और नौकरी बाजार की निरंतर विकसित होती प्रकृति को देखते हुए युवाओं को अनुकूलनीय और बहुमुखी कौशल सैट के साथ सशक्त बनाना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि न केवल आज बल्कि हर दिन शिक्षा को बदलने के लिए काम करते हुए यह सुनिश्चित करने के भी प्रयास होने चाहिएं कि युवाओं के पास वह सब कुछ हो, जो उनके लिए अधिक शांतिपूर्ण, टिकाऊ भविष्य को आकार देने और उनके कौशल को विकसित करने के लिए आवश्यक है। अब चूंकि विभिन्न उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीकों का तेजी से उपयोग कार्य के परिदृश्य को बदल रहा है, इसलिए भविष्य की नौकरियों के लिए युवाओं को तैयार करने हेतु उन्हें आवश्यक एआई कौशल से लैस करना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

असली आज़ादी

बुधवार 15 जुलाई 2026, दमण।

पीलीभीत के मेडिकल कॉलेज में छात्रा पर चाकू से हमला, आरोपी छात्र ने महिला कर्मचारी को भी किया घायल

एजेंसी

पीलीभीत पीलीभीत के मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को बड़ी घटना हुई। कॉलेज परिसर स्थित सीटी स्कैन रूम में मंगलवार सुबह एक पैरामेडिकल छात्र ने छात्रा पर चाकू से हमला कर दिया। छात्रा को बचाने आई एक महिला कर्मचारी को छात्र ने घायल कर दिया। घटना से मेडिकल कॉलेज में दहशत फैल गई। पीलीभीत के मेडिकल कॉलेज परिसर स्थित सीटी स्कैन रूम में मंगलवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक पैरामेडिकल छात्र ने अपनी सहपाठी छात्रा पर चाकू से हमला कर दिया। छात्रा को बचाने के लिए बीच-बचाव करने पहुंची सीटी स्कैन विभाग की महिला कर्मचारी पर भी आरोपी ने चाकू से वार कर दिया। दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए भर्ती कराया गया। मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों ने आरोपी को मौके पर ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही एसपी सुकीर्ति माधव, एएसपी विक्रम दहिया फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। मंगलवार सुबह मेडिकल कॉलेज परिसर के सीटी स्कैन रूम में पैरामेडिकल छात्र सागर सिंह ने बरेली निवासी छात्रा कशिश पटेल अचानक चाकू से हमला कर दिया। हमले से छात्रा के घायल होते ही वहां मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई। इसी दौरान छात्रा को बचाने के लिए आगे आई सीटी स्कैन विभाग की महिला कर्मचारी निधि ने आरोपी को रोकने का प्रयास किया। इस पर आरोपी ने उन पर भी चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह भी घायल हो गईं। घटना से अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। मरीजों व तीमारदारों में दहशत फैल गई। प्रारंभिक जांच में सामने आई प्रेम प्रसंग की बात शोर-शराबा सुनकर मेडिकल कॉलेज के कर्मचारी और अन्य लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोपी को घेरकर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर घायलों का हाल जाना और मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए भर्ती कराया है। प्रारंभिक जांच में घटना के पीछे प्रेम प्रसंग की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना के कारणों की गहनता से जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घायल छात्रा हायर सेंटर रेफर कड़ी सुरक्षा के बीच छात्रा को हायर सेंटर रेफर किया गया। इस दौरान मेडिकल कॉलेज प्रशासन और पुलिस ने इमरजेंसी से एंबुलेंस तक घेरा बनाया और फिर छात्रा को ले जाया गया। लोगों को फोटो वीडियो बनाने से भी रोका गया।

संक्षिप्त डायरी

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड रैंकिंग में हरदोई ने दर्ज की बड़ी उपलब्धि, प्रदेश के टॉप-10 जिलों में बनाया स्थान

एजेंसी

हरदोई। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के मामले में हरदोई ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जून 2026 की प्रगति के आधार पर विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में जनपद ने प्रदेश के शीर्ष-10 जिलों में स्थान बनाया है। यह जानकारी सोमवार को विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती नेहा ब्याडवाल की अध्यक्षता में आयोजित मुख्यमंत्री डैशबोर्ड समीक्षा बैठक में दी गई। अधिकारियों ने इस सफलता का श्रेय सभी विभागों के बेहतर समन्वय, नियमित मॉनिटरिंग और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को दिया। बैठक में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर दर्ज विभिन्न विभागों की प्रगति, जनकल्याणकारी योजनाओं की स्थिति, विकास कार्यों, लंबित प्रकरणों तथा जनशिकायतों की बिंदुवार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिन विभागों की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी पाई गई, उन्हें तत्काल सुधार करते हुए जुलाई माह के निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि किसी भी योजना में लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और प्रत्येक विभाग को तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करना होगा। मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती नेहा ब्याडवाल ने अधिकारियों से कहा कि शासन का उद्देश्य केवल आंकड़ों में प्रगति दर्ज करना नहीं, बल्कि योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ नियमित अनुश्रवण करें, मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्रत्येक बिंदु की लगातार समीक्षा करें तथा जनशिकायतों और लंबित प्रकरणों का पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं होनी चाहिए और शासन के मानकों के अनुरूप कार्य करना सभी विभागों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बैठक में विकास कार्यों की गति बनाए रखने, विभागीय समन्वय मजबूत करने तथा आगामी महीनों में भी जनपद की रैंकिंग को बेहतर बनाए रखने की रणनीति पर चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि योजनाओं की नियमित फील्ड मॉनिटरिंग करें, प्रगति का समय-समय पर सत्यापन कराएं और मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर आंकड़ों का समय से अद्यतन किया जाना सुनिश्चित करें, ताकि शासन स्तर पर जनपद का प्रदर्शन लगातार बेहतर बना रहे।

होमगार्ड भर्ती-2025: डीवी/पीएसटी प्रक्रिया का एसपी ने निरीक्षण कर दिये आवश्यक दिशा निर्देश

एजेंसी

हरदोई। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश होमगार्ड के पदों पर एनरोलमेंट एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के अंतर्गत जनपद हरदोई में चल रही दस्तावेज सत्यापन (डीवी) एवं शारीरिक मानक परीक्षण (पीएसटी) प्रक्रिया का सोमवार को पुलिस अधीक्षक हरदोई तथा अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी ने निरीक्षण किया। अधिकारियों ने भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण का बारीकी से जायजा लेते हुए व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अभ्यर्थियों के दस्तावेजों के सत्यापन, शारीरिक मानक परीक्षण की प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की आवाजाही, प्रतीक्षा स्थल, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराई जाए तथा प्रत्येक अभ्यर्थी के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनियमितता या अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा और सतर्कता के साथ निर्वहन करें, ताकि भर्ती प्रक्रिया बिना किसी व्यवधान के सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। उन्होंने अभ्यर्थियों को भी निर्धारित दिशा-निदेर्शों का पालन करने तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय से उपस्थित होने की सलाह दी। निरीक्षण के दौरान भर्ती प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक प्रशासनिक एवं सुरक्षा संबंधी निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने व्यवस्था बनाए रखने, अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने तथा पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुचारु ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया।

चकरोड की पैमाइश के दौरान बुजुर्ग की मौत, हत्या के आरोप और पुलिस के दावों में विरोधाभास; जांच जारी

एजेंसी

हरदोइ। हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के ईसेपुर गांव में सरकारी चकरोड की पैमाइश के दौरान 72 वर्षीय राजेंद्र पुत्र नेकराम की मौत के बाद मामला तूल पकड़ गया है। घटना को लेकर मृतक पक्ष और पुलिस के दावों में स्पष्ट विरोधाभास सामने आया है। एक ओर परिजन और ग्रामीण इसे लोहे की रॉड से किए गए हमले में हुई हत्या बता रहे हैं, वहीं पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मौके पर किसी प्रकार की मारपीट की पुष्टि नहीं हुई है। अब पूरे मामले की सच्चाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। जानकारी के अनुसार, ईसेपुर गांव में सरकारी चकरोड को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा था। आवेदक अभिनय पुत्र रामपाल की शिकायत पर रविवार को राजस्व विभाग की टीम लेखपाल और कानूनगो के साथ मौके पर पैमाइश करने पहुंची थी। मृतक पक्ष का आरोप है कि पैमाइश पूरी होने के बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने विवाद शुरू कर दिया और राजेंद्र पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल राजेंद्र को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरपालपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने गुड्डू यादव, धीरेंद्र, पप्पू यादव, शैलेंद्र, आकाश यादव, अनुपम यादव और अमिताभ यादव समेत कई लोगों पर हमले का आरोप लगाया है। दूसरी ओर हरदोई पुलिस की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि राजस्व टीम शिकायत की जांच और पैमाइश कर रही थी। निरीक्षण के बाद राजेंद्र पुत्र नेकराम अचानक अज्ञात कारणों से अचेत होकर गिर पड़े। परिजन उन्हें उपचार के लिए सीएचसी हरपालपुर ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि मौके पर पहुंचकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा राजस्व टीम से पूछताछ में अब तक किसी भी प्रकार के झगड़े या मारपीट की पुष्टि नहीं हुई है। क्षेत्राधिकारी हरपालपुर प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि घटना के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, उपलब्ध साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। एहतियात के तौर पर गांव में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। फिलहाल इस मामले में परिजनों के हत्या के आरोप और पुलिस की प्रारंभिक जांच के निष्कर्ष आमने-सामने हैं। ऐसे में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवेचना के निष्कर्ष ही यह तय करेंगे कि बुजुर्ग की मौत हमले के कारण हुई या किसी अन्य वजह से।

घायलों का हाल जानने हैलट पहुंचे डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह, बेहतर उपचार के दिए निर्देश

एजेंसी

कानपुर । नेशनल हाईवे पर हुई दुखद सड़क दुर्घटना के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। दुर्घटना में घायल हुए लोगों का कुशलक्षेम जानने के लिए जिलाधिकारी (डीएम) जितेंद्र प्रताप सिंह स्वयं हैलट अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला के साथ वार्डों का निरीक्षण किया और घायलों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। गौरतलब है कि बीते दिन महाराजपुर नेशनल हाईवे पर ओवरटेक करने के प्रयास में एक ट्रक से जोरदार भिड़ंत हो गई थी। इस भीषण हादसे में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तुरंत उपचार के लिए हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद चिकित्सकों को सख्त निर्देश दिए कि सभी घायलों को बिना किसी देरी के सर्वश्रेष्ठ और समुचित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इलाज में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव प्रशासनिक व आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। वहीं प्राचार्य डॉ संजय काला ने इमरजेंसी में कार्यरत सभी डॉक्टरो को घायलो को विशेष उपचार मुहैया कराने का निर्देश दिया। हादसे में घायल व मृतको की सूची महाराजपुर दुर्घटना में घायल होने व जिनकी इस हादसे में मौत हो गई उनका विवरण इस प्रकार है। नरेश मांझी (40), सावित्री देवी (31), स्नेहा कुमार (8), वकील यादव (35), रिया (8), अनीशा कुमारी (10), कविता कुमारी (18), हिमांशु (22), केसर भारती (28) घायल हो गए। घायलों का हैलेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं कार चालक बजरंग (45) डिग बड्डी सिरसा, हरियाणा, दिलकुश कुमार (11) बिहार और एक अज्ञात बच्ची की मौत हो गई।

ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाने की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई टली, कोर्ट ने यह दिया हवाला

एजेंसी

प्रयागराज प्रशासक बनाए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई छह हफ्ते के लिए टाल दी है। न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने कहा कि लखनऊ की खंडपीठ के समक्ष समान मामले की सुनवाई चल रही है। ऐसी दशा में इस स्तर पर हाइकोर्ट की एकल पीठ में सुनवाई संभव नहीं है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की एकल पीठ ने ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाने के मामले की याचिका की सुनवाई को छह सप्ताह के लिए टाल दिया है। मामले की सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने कहा कि इस समान मामले की सुनवाई हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में दो जजों की पीठ कर रही है। ऐसी दशा में इस स्तर पर हाइकोर्ट की एकल पीठ में सुनवाई संभव नहीं है। बता दें कि पिछली सुनवाई पर न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की पीठ ने अरविंद राठौर की याचिका पर सुनवाई करते

हुए 25 मई 2026 और 26 मई 2026 के उन सरकारी आदेशों को 'गैर-मौजूद' (असंवैधानिक) करार दिया, जिनसे चुनाव टाले गए थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ये आदेश अधिनियम, 1947 की धारा 12 (3-ए) के तहत पारित किए गए थे, जिसे 'प्रमोद लाल पटेल बनाम उत्तर प्रदेश राज्य' मामले में उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने पहले ही असंवैधानिक घोषित कर दिया था। न्यायालय ने जोर दिया था कि संविधान के अनुच्छेद 243 ई और 243 (के) के तहत पंचायतों का कार्यकाल पांच साल का निश्चित होता है और चुनाव समय पर होने चाहिए। राज्य सरकार ने ओबीसी आयोग की रिपोर्ट लंबित होने को देरी का कारण बताया, जिस पर कोर्ट ने हैरानी जताई कि सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों के बावजूद ओबीसी आयोग ने अब तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है। राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि मतदाता सूची 10 जून 2026 को प्रकाशित हो चुकी है और वे चुनाव कराने के लिए तैयार हैं, लेकिन राज्य सरकार से आवश्यक लॉजिस्टिक्स न मिलने के कारण चुनाव में बाधा आ रही है।

एक पेड़ मां के नाम' वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत तुलसी पार्क में लगाए गए पौधे,भाजपा जिलाध्यक्ष रवि कुमार मिश्रा ने किया नेतृत्व

एजेंसी

बलरामपुर। एक पेड़ मां के नाम' वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी द्वारा तुलसी पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष रवि कुमार मिश्रा ने किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण, हरित वातावरण के निर्माण तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण उपलब्ध कराने का संदेश देते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष रवि कुमार मिश्रा ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान केवल वृक्ष लगाने तक सीमित नहीं है,बल्कि यह अपनी मां के प्रति सम्मान, प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण का एक प्रेरणादायी जनआंदोलन है। उन्होंने सभी कार्यकताओं एवं नागरिकों से अपील की कि वे अपनी मां के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसकी नियमित देखभाल का भी संकल्प लें। उन्होंने

कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण समय की आवश्यकता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे,तो आने वाले वर्षों में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। इस अवसर पर भाजपा के जिला महामंत्री बिंदु विश्वकर्मा,जिला मीडिया प्रभारी डी.पी.सिंह 'बैस',राजाराम गौतम,संदीप उपाध्याय,अंशुमाली भारतवंशी,आलोक पांडेय,सौरभ तुलस्यान,हिमांशु शुक्ला सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी कार्यकताओं ने लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने का संदेश दिया।

मानसिक रोगियों के अधिकार और नशामुक्ति पर शाहाबाद में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

एजेंसी

हरदोई। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शों के क्रम में सोमवार को तहसील शाहाबाद के उधरनपुर स्थित वन स्टॉप सेंटर में मानसिक रोग एवं बौद्धिक अक्षमताओं से ग्रस्त व्यक्तियों के कानूनी अधिकार तथा नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और उससे बचाव विषयक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई की अध्यक्ष/जनपद न्यायाधीश माननीय रीता कौशिक एवं सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/प्रभारी श्रीमती स्मिता गोस्वामी के निर्देशन तथा तहसील विधिक सेवा समिति शाहाबाद की सचिव/तहसीलदार श्रीमती संध्या यादव के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। शिविर की अध्यक्षता काउंसिलर शिवानी तिवारी ने की। उन्होंने उपस्थित बच्चों एवं ग्रामीणों को नशे से दूर रहकर स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया तथा शराब, तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी दी। वहीं लीगल एड क्लीनिक के राघवेंद्र विक्रम सिंह ने मानसिक एवं बौद्धिक अक्षमताओं से ग्रस्त व्यक्तियों के अधिकारों और उन्हें उपलब्ध स्वास्थ्य एवं कानूनी सुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे व्यक्तियों को भी समाज में गरिमा और समानता के साथ जीवन जीने, बिना भेदभाव के अवसर प्राप्त करने, उचित

स्वास्थ्य सेवाएं लेने तथा निःशुल्क विधिक सहायता पाने का पूर्ण अधिकार है। उन्होंने बताया कि ये अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 21 और 39अ तथा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 (RPwD Act, 2016) में सुरक्षित हैं। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि मानसिक या बौद्धिक अक्षमता किसी व्यक्ति को समाज से अलग नहीं करती, बल्कि वह समाज का समान अधिकारों वाला सदस्य है। साथ ही नशीली दवाओं, शराब और तंबाकू के दुरुपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क विधिक सहायता और टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर के कर्मचारी, ग्रामीण एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

रूमा में चीखें, महाराजपुर में मातम; बेगुनाह मौतों का जिम्मेदार कौन ? हाईवे पर बिछा है 'मौत का जाल'

एजेंसी

कानपुर हाईवे के किनारे नियमों को ताक पर रखकर बेतरतीब खड़े भारी ट्रक, कंटेनर और डीसीएम हर दिन बेगुनाह जिंदगियों के लिए काल बन रहे हैं। महाराजपुर के रूमा के पास हुआ ताजा हादसा इसका सबसे दर्दनाक उदाहरण है, जहां एक कार हाईवे किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भयानक थी कि मौके पर ही भाई-बहन समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ लोग जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। महाराजपुर के रूमा में हाईवे किनारे खड़े ट्रक से स्कॉर्पियो की भिड़ंत में भाई-बहन समेत तीन लोगों की मौत और नौ लोगों के

घायल होने की घटना ने एक बार फिर राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध पार्किंग की गंभीर समस्या को सामने ला दिया है। हाईवे किनारे बेतरतीब खड़े ट्रक, कंटेनर और डीसीएम लगातार लोगों की जान ले रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई कुछ दिनों तक सीमित रह जाती है। रफ्तार का कहर और चंद सेकंड में उजड़ गया परिवार कानपुर से गुजरने वाले तमाम प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग– चाहे वह सागर हाईवे हो, अलीगढ़ हाईवे, प्रयागराज हाईवे, लखनऊ हाईवे या फिर इटावा हाईवे आज 'किलर पार्किंग' में तब्दील हो चुके हैं। इन हाईवे पर स्थित होटलों और ढाबों के बाहर सड़क की मुख्य लेन तक भारी वाहनों की अवैध पार्किंग चौबीसों घंटे देखी जा सकती है। दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण यह है कि 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गुजर रहे वाहन चालकों के पास अचानक सामने आ जाने वाले इन खड़े ट्रकों से बचने का कोई मौका या वक्त नहीं होता। रात के अंधेरे या तड़के कोहरे के समय यह स्थिति और भी खौफनाक हो जाती है। जब तक चालक को आगे वाहन खड़े होने का अहसास होता है, तब तक गाड़ी ट्रक के नीचे समा चुकी होती है। महज कुछ ही सेकंड के भीतर हंसते-खेलते पूरे के पूरे परिवार तबाह हो जाते हैं। बड़ा सवाल यह है कि जब यह अवैध पार्किंग खुलेआम और रोजाना हो रही है, तो स्थानीय थाना पुलिस, हाईवे पेट्रोलिंग वैन, एनएचएआई और परिवहन विभाग का दस्ता आखिर किसकी निगरानी कर रहा है? नियमों के मुताबिक हाईवे पर किसी भी व्यावसायिक वाहन को इस तरह असुरक्षित खड़ा करने की अनुमति नहीं है। लेकिन धरातल पर सच्चाई यह है कि यह जिम्मेदार विभाग सिर्फ तमाशा देखते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि हर बड़े हादसे के बाद प्रशासन जागता है, कुछ दिनों के लिए चेकिंग और जुमार्ने का दिखावा कर खानापूर्ति की जाती है, और जैसे ही मामला शांत होता है, स्थितियां फिर पहले जैसी हो जाती हैं। ढाबा और होटल संचालक अपने निजी मुनाफे के लिए ट्रकों को मुख्य सड़क पर पार्क करवाते हैं, और प्रशासनिक अधिकारी इस पर आंखें मूंदे रहते हैं। हाईवे किनारे बिछे इस 'मौत के जाल' को हटाने के लिए अब तक कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई है। अधिकांश स्थानों पर भारी वाहनों के ठहराव के लिए कोई वैध पार्किंग या ले-बाय (छं८-ु८) की व्यवस्था नहीं है।

जोस बटलर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 200वां वनडे मैच खेलने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी बने

बर्मिंघम। जोस बटलर ने मंगलवार को अपने शानदार इंटरनेशनल करियर में एक और उपलब्धि हासिल की। एजबेस्टन में भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में मैदान पर उतरते ही वे इंग्लैंड के लिए 200 वनडे इंटरनेशनल मैच खेलने वाले दूसरे क्रिकेटर बन गए। यह अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन (225 वनडे) के साथ एक खास क्लब में शामिल हो गए। उन्होंने यह उपलब्धि फरवरी 2012 में दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ अपने वनडे डेब्यू के 14 साल बाद हासिल की।

एक रोमांचक युवा फिनिशर से लेकर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बदलाव लाने वाले मुख्य खिलाड़ियों में से एक बनने तक, बटलर लिमिटेड-ओवर्स क्रिकेट में टीम के एक ग्लोबल ताकत के रूप में उभरने में अहम रहे हैं। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने 171 पारियों में 39.11 की औसत और 115.20 के शानदार स्ट्राइक रेट से 5,515 रन बनाए हैं। उन्होंने 11 शतक और 29 अर्धशतक जड़े हैं, जिसमें नाबाद 162 रन उनका सर्वोच्च स्कोर है।

इंग्लैंड के वनडे सेटअप पर बटलर का असर सिर्फ आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है। उनके निडर स्ट्रोकप्ले ने टीम की बल्लेबाजी की सोच को बदलने में मदद की, जबकि 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ 46 गेंदों में लगाया गया उनका शतक इस फॉर्मेट में इंग्लैंड का सबसे तेज शतक है। वे एकमात्र ऐसे इंग्लिश बल्लेबाज हैं जिन्होंने 50 या उससे कम गेंदों में तीन वनडे शतक लगाए हैं और नंबर 5 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा (आठ) वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है।

बटलर के करियर का एक यादगार पल लॉर्ड्स में 2019 ICC मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में आया। मार्टिन गुप्टिल को रन-आउट करके उन्होंने एक यादगार सुपर ओवर के बाद इंग्लैंड को उसका पहला 50-ओवर का वर्ल्ड कप खिताब जिताया, जबकि मैच में पहले लगाई गई उनकी संयमित अर्धशतकीय पारी भी उतनी ही अहम साबित हुई। मॉर्गन के रिटायरमेंट के बाद बटलर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान बने और ऑस्ट्रेलिया में 2022 ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का खिताब टीम को जिताया। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी।

उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और आक्रामक खेलने के तरीके ने उन्हें इस फॉर्मेट के महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। 5000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सिर्फ पाकिस्तान के दिग्गज शाहिद अफरीदी का स्ट्राइक रेट बटलर के 115.20 से ज़्यादा है। वह 2500 से ज्यादा वनडे रन बनाने वाले इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका औसत 36 से ज्यादा और स्ट्राइक रेट 110 से ज्यादा है। इसके अलावा उनके 184 ODI छक्के एक्टिव खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं; उनसे आगे सिर्फ भारत के रोहित शर्मा हैं।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए बटलर ने कहा कि इससे उन्हें उस उत्साह की याद आ गई जो उन्होंने पहली बार इंग्लैंड के लिए खेलते समय महसूस किया था। बटलर ने इंस्टाग्राम पर इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में कहा, 'हां, बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

● जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट

सिंधू की शानदार शुरुआत

मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज की

डलास, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए पहले दौर के मुकाबले में विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराकर आसानी से जीत दर्ज की।

आक्रामक खेल दिखाया, सिंधू ने शुरू से बनाए रखा दबदबा

सिंधू ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने लंबी रैलियों में नियंत्रण बनाए रखते हुए शुरुआती बढ़त हासिल की और पहले गेम के इंटरवल तक 11-6 से आगे रहीं। इसके बाद उनके सटीक ड्रॉप शॉट, बैकहैंड और हाफ-स्मैश ने मलेशियाई खिलाड़ी पर लगातार दबाव बनाए रखा। भारतीय स्टार ने पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सिंधू ने जल्द ही 8-2 की बढ़त बनाई और इंटरवल तक स्कोर 11-3 कर दिया। इसके बाद उन्होंने लगातार अंक जुटाते हुए 21-11 से गेम और मैच जीत लिया।

ध्रुव-तनीशा की जोड़ी भी दूसरे दौर में

मिश्रित युगल में भारत के ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी ने स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन को 21-16, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।हालांकि भारत को मिश्रित युगल में एक निराशा भी हाथ लगी। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी पहले ही दौर में शीर्ष वरीय चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग के खिलाफ टिक नहीं सकी। चीनी जोड़ी ने मुकाबला 21-11, 21-10 से जीतकर भारतीय खिलाड़ियों का अभियान समाप्त कर दिया। अब भारतीय बैडमिंटन प्रेमियों की नजरें दूसरे दौर में पीवी सिंधू और ध्रुव-तनीशा की जोड़ी पर होंगी। सिंधू यदि अपनी मौजूदा लय बरकरार रखती हैं तो जापान ओपन में खिताब की दावेदारों में मजबूती से बनी रह सकती हैं।

खेल मंत्रालय ने जूडो महासंघ को सशर्त मान्यता दी

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्रालय ने भारतीय जूडो महासंघ (जेएफआई) के अंतरिम निकाय को सशर्त मान्यता दे दी है, जिसका चुनाव दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पिछले महीने हुआ था। मंत्रालय ने इसके साथ ही चेतावनी दी कि अगर वह अदालत के निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो उसे निलंबित कर दिया जाएगा।

जेएफआई का संचालन 2022 से अदालत से नियुक्त प्रशासक कर रहे थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल फरवरी में अपने फैसले में निकाय को वार्षिक आम बैठक बुलाने और इस साल की शुरुआत में लागू किए गए राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने के लिए कहा था। इसके बाद महासंघ ने अंतरिम कार्यकारी समिति का चुनाव किया, जिसके अध्यक्ष मुकेश कुमार हैं जबकि बानी ब्राता दास महासचिव और शैलेश तिलक कोषाध्यक्ष हैं।

मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा, 'यह फैसला किया गया है कि भारतीय जूडो महासंघ की कार्यकारी समिति (अंतरिम निकाय) को तत्काल प्रभाव से मान्यता दी जाए।' इसमें कहा गया है, 'यह मान्यता दिल्ली उच्च न्यायालय तथा अन्य माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित जेएफआई की कार्यकारी समिति के चुनावों से संबंधित चल रहे मामलों के परिणाम पर निर्भर करेगी।' मंत्रालय ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों का सख्ती से पालन नहीं कर पाने पर मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

अधिसूचना के अनुसार, 'अंतरिम निकाय की ओर से किसी भी चूक और किसी भी तरह की गंभीर अनियमितता की स्थिति में मान्यता को रद्द किया जा सकता है।' मंत्रालय ने अदालत के निर्देशानुसार जेएफआई को कार्यकारी समिति के अंतिम चुनाव कराने के लिए कहा है।

मंत्रालय ने कहा, 'जेएफआई के अंतरिम निकाय को दिल्ली उच्च न्यायालय के 12 फरवरी के आदेश के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 और उसके नियमों के अनुरूप अपना संविधान संशोधित करना होगा।' मंत्रालय ने जेएफआई से उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन किए जाने की मौजूदा स्थिति पर मासिक रिपोर्ट देने के लिए भी कहा है।

जेएफआई ने जून में हुए चुनावों में शीर्ष तीन अधिकारियों के अलावा चार उपाध्यक्ष और चार संयुक्त सचिव भी चुने। इनमें से एक पदाधिकारी पूर्व टेनिस खिलाड़ी मनीषा मल्होत्रा हैं, जो खेल प्रबंधन में भी सक्रिय रूप से शामिल रही हैं।

एशियन अंडर-19 बॉक्सिंग चैंपियनशिप: भारत के नौ मुक्केबाज फाइनल में, छह कांस्य पदक भी पक्के

जकार्ता, एजेंसी। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। सोमवार को खेले गए अंडर-19 वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में भारत के नौ मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई, जबकि छह मुक्केबाजों ने कांस्य पदक अपने नाम किए।

महिला वर्ग में भारत का दबदबा

अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठों मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। चाहत (60 किग्रा) ने चीनी ताइपे की पेई-चुन त्साई को 5-0 से हराया। अंशिका (75 किग्रा) ने चीनी ताइपे की आन-ची त्सेंग को पहले राउंड में आरएससी (रेफरी स्टॉप्ड कॉन्टेस्ट) से मात दी। मेघा श्योकंद (80 किग्रा) की प्रतिद्वंद्वी वियतनाम की मुक्केबाज मुकाबला जारी नहीं रख सकीं, जिससे मेघा सीधे फाइनल में पहुंच गईं। प्राची तोकस (+81 किग्रा) ने चीनी ताइपे की शू-शियान वांग को पहले राउंड में आरएससी से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। इससे पहले जीत दर्ज करने वाली भारतीय मुक्केबाजों के साथ अब अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठ खिलाड़ी फाइनल में पहुंच चुकी हैं।

अंडर-19 में दो भारतीय फाइनल में

पुरुष वर्ग में भारत के दो मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। आदित्य (55 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया के ह्योनमिन ली को दूसरे राउंड में आरएससी से हराया। शुभम राजपूत (90 किग्रा) ने किर्गिस्तान के आइतबेक बेर्दिमुरातोव को 3-2 के करीबी मुकाबले में शिकस्त दी। वहीं, सेमीफाइनल में हारने वाले छह भारतीय मुक्केबाजों को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

अंडर-23 महिला वर्ग

महिला वर्ग में पांच भारतीय मुक्केबाज फाइनल में पहुंचीं। निशा (54 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया की ह्योजू ली को हराया। निकिता चंद (60 किग्रा) ने जापान की सारी कोकुफू को मात दी। काजल (65 किग्रा) ने किर्गिस्तान की गुलजीना मेल्सवेक को हराया। इस मुकाबले में रेफरी को भारतीय मुक्केबाज के दबदबे के कारण मुकाबला रोकना पड़ा।

भारतीय टेबल टेनिस ने रचा इतिहास

मानव-मानुष बने दुनिया की नंबर-2 पुरुष युगल जोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेबल टेनिस को बड़ी उपलब्धि मिली है। स्टार खिलाड़ी मानव ठक्कर और मानुष शाह ने इतिहास रचते हुए इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन की नवीनतम पुरुष युगल रैंकिंग में दुनिया की नंबर-2 जोड़ी बनने का गौरव हासिल किया है। इसके साथ ही वे सीनियर विश्व रैंकिंग में इतनी ऊंची रैंक हासिल करने वाले भारत के पहले खिलाड़ी या जोड़ी बन गए हैं।मानव ठक्कर और मानुष शाह पिछले सप्ताह पहली बार करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व नंबर-3 रैंकिंग पर पहुंचे थे। अब उन्होंने एक और स्थान की छलांग लगाकर नया इतिहास रच दिया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड अर्चना कामथ और मनिका बत्रा के नाम था, जिन्होंने 2022 में महिला युगल रैंकिंग में विश्व नंबर-4 स्थान हासिल किया था।

चीन नंबर-1, भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान पर

ताजा रैंकिंग में चीन की लिन शिडोंग और हुआंग यूझेंग की जोड़ी 5160 अंकों के साथ पहले स्थान पर बनी हुई है। वहीं मानव ठक्कर और मानुष शाह 3390 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। फ्रांस के स्टार एलेक्सिस और फैलिक्स लेब्रुन की जोड़ी दूसरे से फिसलकर पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जिसका फायदा भारतीय जोड़ी को मिला। मानव और मानुष की यह उपलब्धि पिछले एक साल के लगातार बेहतरीन प्रदर्शन का नतीजा है। भारतीय टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल के मार्गदर्शन में दोनों खिलाड़ियों ने डब्ल्यूटीटी सर्किट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

यह उपलब्धि ऐसे समय आई है जब जापान के आइची-नागोया में होने वाले 2026 एशियन गेम्स में तीन महीने से भी कम समय बचा है।मानव और मानुष से इस बार पुरुष युगल में भारत को पदक की बड़ी उम्मीदें होंगी। 2023 हांगझोऊ एशियन गेम्स में दोनों की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की तत्कालीन विश्व नंबर-1 जोड़ी से हारकर पदक से चूक गई थी। मानव ठक्कर और मानुष शाह की यह उपलब्धि साबित करती है कि भारतीय टेबल टेनिस अब विश्व स्तर पर लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

सेमीफाइनल में खास जर्सी पहनना चाहता है अर्जेंटीना

● फीफा से मांगी खास जर्सी पहनने की अनुमति

लंदन, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल से पहले अर्जेंटीना ने एक खास अनुरोध कर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लियोनेल मेसी की टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में अपनी पारंपरिक आसमानी-सफेद जर्सी की जगह नेवी ब्लू (गहरे नीले रंग) की वैकल्पिक जर्सी पहनने की अनुमति फीफा से मांगी है। माना जा रहा है कि इस फैसले के पीछे इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप में मिली ऐतिहासिक सफलताओं का अंधविश्वास भी जुड़ा हुआ है।रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने फीफा से सेमीफाइनल में नेवी ब्लू अवे किट पहनने की अनुमति मांगी है। मौजूदा वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने इस जर्सी का इस्तेमाल केवल ग्रुप स्टेज में जॉर्डन के खिलाफ किया था। इसके बाद टीम सभी मुकाबलों में अपनी पारंपरिक होम जर्सी में उतरी। फीफा हर मुकाबले से पहले दोनों टीमों की जर्सी का अंतिम फैसला करता है ताकि खिलाड़ियों, रेफरी और दर्शकों को रंगों में कोई भ्रम न हो।

इंग्लैंड के खिलाफ इस जर्सी का खास इतिहास

नेवी ब्लू जर्सी का इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना के लिए खास इतिहास रहा है। 1986 वर्ल्ड कप क्वार्टरफाइनल में डिएगो माराडोना ने इसी जर्सी में 'हैंड ऑफ गॉड' और 'गोल ऑफ द सेंचुरी' की मदद से टीम को 2-1 की यादगार जीत दिलाई थी। इसके बाद 1998 वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ-16 में भी अर्जेंटीना ने इसी जर्सी में इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि 2002 वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने अपनी पारंपरिक होम जर्सी पहनी और इंग्लैंड से 0-1 से हार गया था। इसी वजह से स्थानीय मीडिया इसे टीम का 'लकी किट' भी बता रहा है।

इंग्लैंड पारंपरिक सफेद जर्सी में उतरेगा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड सेमीफाइनल में अपनी पारंपरिक ऑल-व्हाइट होम किट में मैदान पर उतरेगा। वहीं अर्जेंटीना की नेवी ब्लू जर्सी पहनने की मांग पर अंतिम फैसला फीफा के किट नियमों के अनुसार लिया जाएगा।

फाइनल का टिकट दांव पर

सेमीफाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के सामने फाइनल में जगह बनाने का बड़ा मौका होगा। अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचकर खिताब बचाने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड 1966 के बाद पहली बार विश्व कप जीतने के सपने को पूरा करने के इरादे से मैदान में उतरेगा। अब सभी की नजर इस बात पर होगी कि क्या फीफा अर्जेंटीना को उसकी 'लकी' नेवी ब्लू जर्सी पहनने की अनुमति देता है।

असली आज़ादी

रिद्धि डोगरा ने लोकल ट्रेनों में सफर के दिनों को याद किया

उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्हें सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम किया। अच्छी एक्टिंग की वजह से उन्हें शाहरुख खान जैसे बिग स्टार के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री की खास बात यह है कि वह आज सफल हैं। लेकिन, उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद रखा है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए भीड़-भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में सफर करने के दिनों को याद किया। उन्होंने उन मुश्किलों का जिक्र किया, जिनका उन्होंने सामना किया और उस दृढ़ संकल्प के बारे में बताया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनके रास्ते को आकार दिया। रिद्धि ने लिखा कि मुझे हमेशा से जुलाई का महीना पसंद रहा है। इन तस्वीरों ने जुलाई के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। जुलाई 2005 में मेरी मुंबई की कहानी शुरू हुई थी। कॉलेज से नई-नई निकली थी और बड़ी दुनिया में पढ़ने, घूमने-फिरने, जीने और सीखने के लिए उत्सुक थी। इसीलिए, मैंने मुंबई को चुना। यह एक ऐसा शहर है, जो अनजाने में मुझे लंबे समय से बुला रहा था। मुझे इस शहर की हलचल भरी जिंदगी और आकर्षण में सुकून मिलता है।

रिद्धि डोगरा ने लिखा कि लोकल ट्रेनें मेरी सबसे पसंदीदा जगह बन गई थीं। 2005 से 2007 के बीच मैं एक ही दिन में कई तरह के वाहनों से सफर करती थी। पहले कॉलेज जाती, फिर अपनी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की नौकरी पर जाती। मैं पूरा समय ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में सोचते हुए मुस्कुराती रहती थी। मुझे पूरा यकीन था कि मेरा भविष्य बहुत शानदार होने वाला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैं अपनी किस्मत की खुद मालिक थी। आज जिसे हम विजुअलाइजेशन और मैनिफेस्टेशन कहते हैं, वह मैं उन दिनों रोज करती थी। लोग उसे 'दिन में सपना देखना' कहते थे। इस दौरान एक गाना मेरे आईपॉड पर सबसे ज्यादा चलता था। रिद्धि डोगरा को असुर में नुसरत, ऑल्ट बालाजी की द मैरिड वुमन में आस्था, स्टार प्लस की मर्यादा: लेकिन कब तक? में प्रिया और वो अपना सा में निशा का किरदार निभाने के लिए पहचान मिली। वह नच बलिए 6 और फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6 जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। रिद्धि डोगरा द साबरमती रिपोर्ट, लकड़बग्घा, और जवान जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

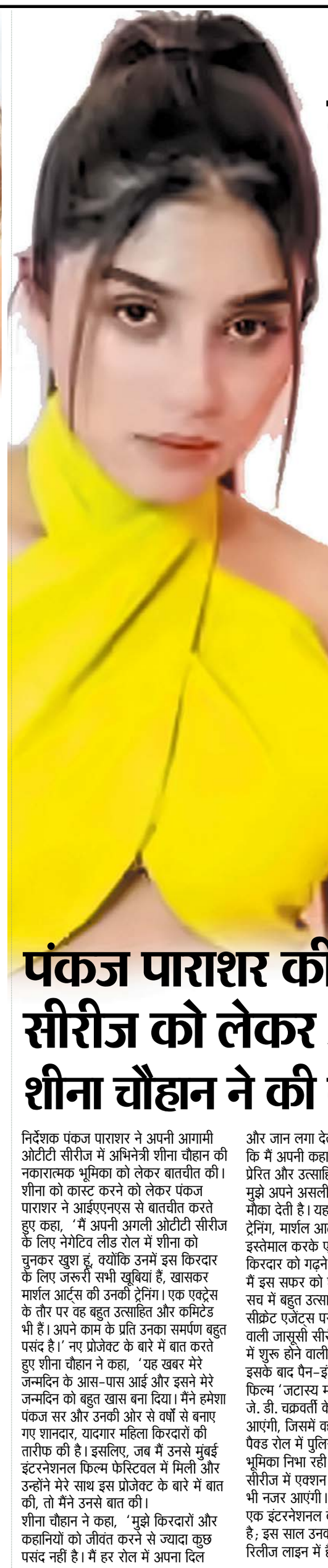

मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन बिना जुड़ाव के किरदार नहीं

'अनुपमा' में राही कपाड़िया के किरदार से अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने घर-घर में पहचान बनाई है। इस बीच इंटरव्यू में अद्रिजा ने प्रोजेक्ट्स को ठुकराने और टीवी की दुनिया में आए बदलावों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह वहीं किरदार निभाना पसंद करती है, जिससे उन्हें दिल से जुड़ाव महसूस होता है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि अब महिलाओं के लिए लिखे जाने वाले किरदारों में काफी सुधार आया है और दर्शक भी महिला केंद्रित कहानियों को खुले दिल से स्वीकार कर रहे हैं। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''मुझे लगता है कि चीजें पहले से काफी बेहतर हुई हैं। अब महिलाओं को 'यादा अहमियत रखने वाले किरदार मिल रहे हैं। हालांकि अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन अ'छी बात यह है कि दर्शक अब महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को स्वीकार कर रहे हैं। यह इंडस्ट्री के लिए एक सकारात्मक संकेत है।''

जब उनसे पूछा कि किसी एक किरदार की सफलता के बाद क्या कलाकार के एक जैसी भूमिकाओं में बंध जाने का खतरा बढ़ जाता है। इस पर उन्होंने कहा कि ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि जब कोई किरदार लोकप्रिय हो जाता है तो लोग उसी तरह के रोल में कलाकार को देखने लगते हैं।

उन्होंने कहा, ''जब कोई भूमिका लोकप्रिय हो जाती है तो लोग आपको उसी अंदाज में देखने लगते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि आपने उस किरदार को अ'छी तरह निभाया है। मैं इसके लिए किसी को दोष नहीं देती। लेकिन एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को और दर्शकों को सरप्राइज करना चाहती हूं। मैं एक ही तरह के किरदार बार-बार नहीं करना चाहती। मेरे लिए हर नया रोल कुछ नया सीखने का मौका होना चाहिए।''

अद्रिजा ने अपने करियर के फैसलों को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ''हर अभिनेता चाहता है कि उसके पास चुनने के लिए बहुत सारे विकल्प हों, लेकिन यह इंडस्ट्री हमेशा इस तरह काम नहीं करती। कई बार कोई अ'छा प्रोडक्शन हाउस आपको ऐसा किरदार देता है, जो शायद आपकी पहली पसंद न हो। ऐसे में पूरी तस्वीर देखनी चाहिए। कहानी क्या है, टीम कैसी है और किरदार शो में क्या योगदान दे रहा है, इन सभी चीजों को समझना जरूरी होता है। हर स्थिति में कोई एक सही या गलत जवाब नहीं होता। हर कलाकार को अपने हिसाब से फैसला लेना पड़ता है।''

बातचीत के दौरान अद्रिजा ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट्स को मना किया है, जिनसे वह खुद को जोड़ नहीं पाईं। उन्होंने कहा, ''हां, मैंने कुछ प्रोजेक्ट्स के लिए मना किया है। ऐसा इसलिए नहीं था कि वे खराब थे, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं उन किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पाई। अगर मैं किसी भूमिका पर विश्वास नहीं करती हूं, तो मेरे लिए उसके साथ न्याय करना मुश्किल हो जाता है। मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन ऐसा काम करना चाहती हूं जो मुझे अंदर से उत्साहित करे।''

मुंबई और लॉस एंजिल्स के बीच के सफर ने मुझे एक बड़ा सबक दिया है

सुपरहिट फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में शाहरुख खान की बेटी 'अंजलि' का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने सोशल मीडिया पर अपना एक अनुभव साझा किया। दरअसल, उन्होंने विदेश में रहने के दौरान भाषा, उच्चारण और संवाद से जुड़ी कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। सना सईद आज लॉस एंजिल्स में रहती हैं और अपने करियर और जीवन को नए तरीके से आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने अमेरिका पहुंचने के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प अनुभव बताया। सना ने बताया, 'साल 2016 में मैं पहली बार पढ़ाई के लिए लॉस एंजिल्स आई थी। इस दौरान मुझे रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मुझे याद है कि एक बार मैं एक रेस्टोरेंट में गई थी और वहां पानी पीना चाहती थी लेकिन मेरा उच्चारण वहां के लोगों को ठीक से समझ नहीं आया। मैंने कई बार 'वॉटर' कहा, लेकिन रेस्टोरेंट वाला अलग-अलग चीज समझता रहा और यहां तक कि 'सोडा' या 'कोक' तक ऑफर करने लगा।'

उन्होंने आगे कहा, ''उस दिन मुझे एहसास हुआ कि अगर मुझे अमेरिका में लंबे समय तक रहना है, तो मुझे अपने बातचीत करने के तरीके पर काम करना होगा, क्योंकि सुना जाना सबसे जरूरी है। इसके बाद मैंने अपने उच्चारण और बोलने के तरीके पर ध्यान देना शुरू किया और इसके लिए ट्रेनिंग भी ली।'' सना ने बताया कि यह प्रक्रिया आसान नहीं थी। किसी नए देश में जाकर वहां की भाषा के अनुसार खुद को ढालना बिल्कुल एक नई भाषा सीखने जैसा होता है। इसमें समय, मेहनत और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उच्चारण बदलना बहुत आसान है, लेकिन असल में इसके पीछे बहुत मेहनत और आत्मविश्वास की जरूरत होती है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे इस बात से परेशानी होती है कि लोग अक्सर किसी के उच्चारण का मजाक उड़ाते हैं या उसे गलत समझते हैं। हर व्यक्ति का बोलने का अपना तरीका होता है, जो उसकी संस्कृति और पृष्ठभूमि से जुड़ा होता है। इसलिए किसी के उच्चारण को लेकर नकारात्मक टिप्पणी करना सही नहीं है।'' सना ने अपने वीडियो में कहा, ''मेरे लिए संवाद करना सिर्फ बोलना नहीं है, बल्कि अपने विचारों को सही तरीके से दूसरों तक पहुंचाना है। अभिनय के क्षेत्र में काम करने वाले कलाकारों के लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि उनकी आवाज और संवाद ही उनका सबसे बड़ा साधन होता है।''

अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में सना ने लिखा, ''मेरा एक्सेंट अभी भी पूरी तरह परफेक्ट नहीं है लेकिन मुंबई और लॉस एंजिल्स के बीच के इस सफर ने मुझे एक बड़ा सबक दिया है। किसी भी भाषा या उच्चारण को लेकर शर्म महसूस करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी तरह से बोलता है और यह पूरी तरह सामान्य है।

पंकज पाराशर की ओटीटी सीरीज को लेकर अभिनेत्री शीना चौहान ने की बात

निर्देशक पंकज पाराशर ने अपनी आगामी ओटीटी सीरीज में अभिनेत्री शीना चौहान की नकारात्मक भूमिका को लेकर बातचीत की। शीना को कास्ट करने को लेकर पंकज पाराशर ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, 'मैं अपनी अगली ओटीटी सीरीज के लिए नेगेटिव लीड रोल में शीना को चुनकर खुश हूं, क्योंकि उनमें इस किरदार के लिए जरूरी सभी खूबियां हैं, खासकर मार्शल आर्ट्स की उनकी ट्रेनिंग। एक एक्ट्रेस के तौर पर वह बहुत उत्साहित और कमिटेड भी हैं। अपने काम के प्रति उनका समर्पण बहुत पसंद है।' नए प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए शीना चौहान ने कहा, 'यह खबर मेरे जन्मदिन के आस-पास आई और इसने मेरे जन्मदिन को बहुत खास बना दिया। मैंने हमेशा पंकज सर और उनकी ओर से वर्षों से बनाए गए शानदार, यादगार महिला किरदारों की तारीफ की है। इसलिए, जब मैं उनसे मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में मिली और उन्होंने मेरे साथ इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की, तो मैंने उनसे बात की।

शीना चौहान ने कहा, 'मुझे किरदारों और कहानियों को जीवंत करने से ज्यादा कुछ पसंद नहीं है। मैं हर रोल में अपना दिल और जान लगा देती हूं, इस उम्मीद के साथ कि मैं अपनी कहानियों के जरिए लोगों को प्रेरित और उत्साहित कर सकूंगी। एक्टिंग मुझे अपने असली मकसद को जीने का मौका देती है। यह मुझे अपनी थिएटर ट्रेनिंग, मार्शल आर्ट्स और फिटनेस का इस्तेमाल करके एक गहरे और दमदार किरदार को गढ़ने का मौका देती है। मैं इस सफर को शुरू करने के लिए सच में बहुत उत्साहित हूं।'

सीक्रेट एजेंट्स पर आधारित आने वाली जासूसी सीरीज इस सितंबर में शुरू होने वाली है। शीना इसके बाद पैन-इंडिया साउथ फिल्म 'जटास्य मरणं ध्रुवम्' में जे. डी. चक्रवर्ती के साथ नजर आएंगी, जिसमें वह एक एक्शन-पैक्ड रोल में पुलिस अफसर की भूमिका निभा रही हैं। वह इस सीरीज में एक्शन सीन करती हुई भी नजर आएंगी। एक्ट्रेस के पास एक इंटरनेशनल वेब सीरीज भी है; इस साल उनकी लगभग पांच रिलीज लाइन में हैं।

इंडस्ट्री में उम्र बढ़ने के साथ कलाकारों को किस तरह नजरअंदाज किया जाता है

टीवी के लोकप्रिय अभिनेता राम कपूर ने अपने करियर में कई यादगार किरदार निभाए हैं और दर्शकों का भरपूर प्यार हासिल किया है। वह अक्सर मनोरंजन जगत के उस सच पर खुलकर बात करते दिखते हैं, जिसके बारे में कलाकार बोलने से बचते नजर आते हैं। इस कड़ी में राम कपूर ने बताया कि इंडस्ट्री में उम्र बढ़ने के साथ कलाकारों को किस तरह नजरअंदाज किया जाता है। साथ ही बताया कि उनकी पत्नी और अभिनेत्री गौतमी कपूर भी इसी तरह के दौर से गुजर चुकी हैं।

राम कपूर ने यह खुलासा नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के दौरान आकांक्षा चमोला से बातचीत में किया। दरअसल, शो में आकांक्षा चमोला ने राम कपूर से कहा कि वह जल्द ही अपने पति गौरव खन्ना से अलग रहकर अपनी नई शुरुआत करने वाली हैं। ऐसे में उन्हें अपना नया ठिकाना बनाना होगा और करियर को भी नए सिरे से संभालना पड़ेगा। उन्होंने राम से कहा कि इस सफर में उन्हें उनकी मदद की जरूरत पड़ सकती है। आकांक्षा की बात सुनकर राम ने बिना किसी झिझक के उनका साथ देने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह अपनी पूरी टीम को उनकी मदद के लिए लगा देंगे।

बातचीत के दौरान आकांक्षा ने मनोरंजन इंडस्ट्री की एक बड़ी समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि यहां कलाकारों की उम्र को लेकर बहुत जल्दी धारणा बना ली जाती है। जैसे ही कोई कलाकार 35 साल की उम्र पार करता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि अब वह पहले जैसा नहीं रहा। इससे कलाकारों के लिए नए मौके कम होने लगते हैं और करियर पर असर पड़ता है।

आकांक्षा ने राम कपूर से बात करते हुए कहा, 'आप जानते हैं कि लोग हमारी उम्र को अच्छी नजर से नहीं देखते। दुर्भाग्य से जैसे ही कोई कलाकार 35 साल का होता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि वह अब बहुत उम्रदराज हो गया है। मुझे इस दुनिया की ज्यादा समझ नहीं है। मैं जितना कर सकती थी, उतना किया है। अब उम्मीद है कि आगे भी काम मिलता रहे, ताकि मैं अपनी जिंदगी सुरक्षित बना सकूं।' आकांक्षा की बातें सुनकर राम कपूर ने कहा कि उनकी स्थिति उन्हें अपनी पत्नी गौतमी कपूर की याद दिलाती है। उन्होंने बताया कि गौतमी भी अपने करियर में ऐसे ही दौर से गुजरी हैं और वह इस दर्द को अच्छी तरह समझते हैं।

राम ने कहा, 'गौतमी और मैंने भी उम्र का भेदभाव झेला है। शुरुआत में गौतमी भी इसी तरह की परिस्थितियों से गुजरी थीं। मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन जो दौर तुम झेल रही हो, उससे गौतमी भी गुजर चुकी हैं। वह मेरी पत्नी हैं, मेरी दुनिया हैं, मेरा प्यार हैं। इसलिए मैं समझ सकता हूं कि तुम किस स्थिति में हो। मैं तुम्हारे लिए जितना संभव होगा, उतनी मदद करूंगा।' बता दें कि नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित चेहरे भी शामिल हैं।

मानसून में बिजली सुरक्षा सूचना

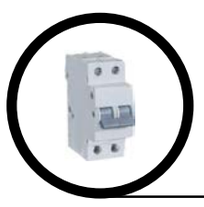

बिजली के मुख्य सप्लाय पॉइंट पर हमेशा ELCB या RCD का अवश्य उपयोग करें।

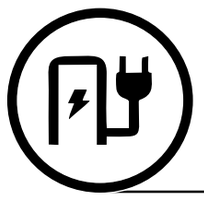

अपने आप को और पालतू जानवरों को घर/गाला/कारखाने के ऊपर से गुजरने वाली लाइनों, खंभों और केबलों से दूर रखें।

ट्रांसफॉर्मर और उसके आसपास के बिजली के उपकरण, (FSP/MSP) इलेक्ट्रिक खंभे, इलेक्ट्रिक वायर आदि के पास न जाएं और उन्हें गीले हाथों से न छुएं।

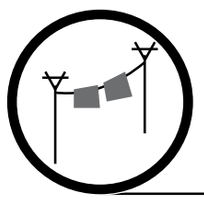

बिजली के खंभों से कोई दूसरा वायर और रस्सी न बांधें तथा उन पर गीले कपड़े न सुखाएं।

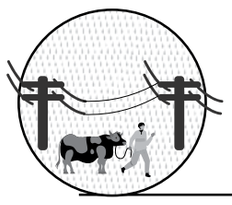

बिजली वितरण उपकरण के पास ओवरहेड लाइनों के नीचे पशुओं को न चराए।

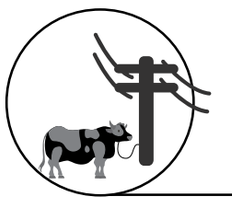

पशुओं को किसी भी विद्युत वितरण उपकरण/फेंसिंग/खंभे से न बांधें।

बिजली के उपकरणों को न छुएं। उसको छूकर खड़े न हों और न ही बैठें।

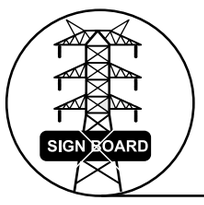

बिजली के उपकरणों पर विज्ञापन पोस्टर न लगाएं।

अगर डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के पास पानी भरा हुआ है तो वहां न जाए।

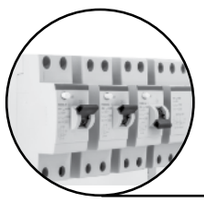

घर/इंडस्ट्री के वायरिंग के पावर लीकेज होने की स्थिति में नीचे दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर तुरंत सूचना दें।

किसी भी घटना के मामले में – जैसे कि कटे हुए तार/ टूटा हुआ पोल/ शॉर्ट सर्किट / ओवरहेड लाइन पर पेड़ गिरने की स्थिति में, कृपया नीचे दिए गए नंबरों पर हमें तुरंत सूचित करें।

अगर कंडक्टर टूट गया है तो उसे छूने की कोशिश न करें। वह क्षेत्र को बैरिकेड करें और नीचे दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर तुरंत सूचना दें।

बिजली संबंधित सभी सेवाओं की जानकारी के लिए संपर्क करें :
Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)